संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 117
पृष्ठ 8
बुधवार
14 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डेंगू में फटाफट रिकवरी के लिए...
विचार- कैसे हल हो भारत में दूषित जल...
खेल- सुंदर की जगह आयुष बदोनी को...

मुख्यमंत्री योगी ने कहा-

बच्चों को स्मार्ट फोन देना अपराध है- जिद्दी और डिप्रेशन का शिकार हो रहे

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर महोत्सव के समापन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने कहा- दुधमुहे बच्चे को स्मार्ट फोन पकड़ाना अपराध है। ये अपराध मत कीजिए। स्मार्ट फोन बच्चों को देंगे तो वह जिद्दी हो जाएगा। डिप्रेशन का शिकार हो जाएगा। जब भी यात्रा पर हों तो स्मार्ट फोन साइलेंट कर दीजिए। मार्ग दुर्घनाएं हो रही हैं। पूरा परिवार खत्म हो रहा है। मोबाइल का प्रयोग करते हुए अनजान लोगों पर भरोसा न करें। ऐसा करते हैं तो साइबर ठगी का शिकार बनते हैं। जब शार्ट कट से पैसा कमाना चाहते हैं तो डिजिटल अरेस्ट होते हैं। रविकिशन की नकल नहीं करनी है। मैंने कहा कि यदि आप नियमों का उल्लंघन करेंगे तो लोग क्या सोचेंगे। सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि रविकिशन और कालीबाड़ी के बाबा की फिल्म आ रही है।

शूटिंग कहां होगी मैं नहीं जानता, लेकिन मैं चाहूंगा कि ये फिल्म यूपी में न करना, यूपी के बाहर ही करना। सीएम ने कहा- साल 2017 से पहले देश आगे बढ़ रहा था, मगर गोरखपुर विकास में पीछे छूट गया था। 2017 के पहले और आज के गोरखपुर में जमीन आसमान का अंतर देखने को मिलेगा।

यहां गुंडराज था। माफियाराज था। विकास नहीं था। बिजली नहीं थी। गंदगी थी। गंदगी से मच्छर थे। ये मच्छर और माफिया एक दूसरे के पूरक हैं। जब समाज स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं होता है तो ऐसा ही होता है। इसका खामियाजा बीमारी के रूप में भुगतना पड़ता है। गोरखपुर तो माफियाराज और गुडों के लिए कुख्यात हो चुका था। हर दूसरे-तीसरे दिन एक दंगा होता था। व्यापारी-उद्यमी गुंडा टैक्स देते थे। नौजवानों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ता था। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। मगर डबल इंजन की सरकार ने परिवर्तन कर दिया। सर्फ गोरखपुर ही नहीं अयोध्या में भी परिवर्तन दिखेगा। काशी और प्रयागराज में भी विकास हुआ। दक्षिण भारत से लोग आते हैं। लखनऊ आते हैं तो कहते हैं कि क्या ये वही लखनऊ है। पहले बहुत गंदा था। सड़कें संकरी थी। सूरज डूबने के बाद घर से बाहर निकलने में डरते थे। भारत आगे बढ़ रहा है तो समृद्धि के साथ उप्र और गोरखपुर भी बढ़ रहा है। काली बाड़ी के बाबा की चुटकी लेते हुए कहा कि कब लखनऊ जाकर गोरखपुर आ जाते हैं। और जब सोशल मीडिया पर फोटो डालते गईं तब मुझे पता चलता है कि पूरी जजमानी करके आ गए।इससे पहले रामगढ़ताल के सामने चंपा देवी पार्क में चल रहे महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह में ब्ड ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 6 लोगों को गोरखपुर रत्न से सम्मानित किया गया। यह सम्मान खेल, विज्ञान, सामाजिक कार्य उद्योग व कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को दिया गया। सीएम ने कहा कि पिछले तीन दिनों से यहां की परंपराओं से लेकर कला संस्कृति का यह महोत्सव यहां काफी उल्लास व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के अलग अलग पक्षों को लेकर उनका मंचन हुआ। पूर्वी उत्तर प्रदेश के उत्पादों का प्रदर्शन हुआ। स्थानीय कलाकारों के लिए व्यवस्था करने को कहा था। इसके लिए ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, ब्लाक व जनपद स्तर पर प्रतियोगिता करने और जिला स्तर पर चयनित कर उन्हें मौका देने को कहा था। यह अच्छा लगा कि बहुत हद तक ऐसा किया गया।

सोमनाथ मंदिर को लेकर बोले अमित शाह

सनातन धर्म को मिटाना आसान नहीं, ये सूरज और चांद की तरह अमर

गांधीनगर,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति, लोगों की आस्था को खत्म करना आसान नहीं है। अमित शाह ने सोमनाथ मंदिर के बीती सदियों में बार-बार तोड़े जाने और 16 बार पुनर्निर्माण का हवाला दिया। शाह ने कहा कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए, वो मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी उसी जगह पर पूरे गर्व के साथ खड़ा है। अमित शाह गुजरात दौरे पर हैं। मंगलवार को अमित शाह ने गांधीनगर में 267 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

शाह ने कहा, 16 बार तबाह किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर 1000 साल बाद भी पूरे गर्व और सम्मान के साथ खड़ा है और इसके शीर्ष पर धर्मध्वजा लहरा रही है। गृह मंत्री ने कहा, श्ये पूरी दुनिया के लिए संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और लोगों की आस्था को मिटाना आसान नहीं है।

यह चांद और सूरज की तरह शाश्वत और अमर है। सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गर्व का प्रतीक है। बीती 11 जनवरी को पीएम मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया था। यह पर्व सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनी के हमले और मंदिर के पुनर्निर्माण के 1000 हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। महमूद गजनी ने साल 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सोमनाथ मंदिर के भव्य कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पूरे सालभर देश में मनाया जाएगा। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। शाह ने कहा, श्एक हजार साल पहले महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और इसे तोड़ा। उसके बाद अन्य हमलावरों जैसे अलाउद्दीन खिलजी, अहमद शाह, महमूद बेगड़ा और औरंगजेब ने भी हमले किए, लेकिन हर हमले के बाद मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। हमलावर तबाही में विश्वास रखते थे और मंदिर बनाने वालों का विश्वास रचना में। आज 1000 साल बाद हमलावर मिट गए हैं, लेकिन सोमनाथ मंदिर अभी भी पूरे गर्व के साथ खड़ा है।

भारत ने संभाली ब्रिक्स 2026 की कमान

विदेश मंत्री ने लॉन्च किये आधिकारिक लोगो, वेबसाइट

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के जसरोटा में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तबीयत बिगड़ गई। मंच पर भाषण देने के दौरान खड़गे की तबीयत खराब हुई, जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें संभाला। तबीयत खराब होने के बावजूद कांग्रेस अध्यक्ष ने अपना भाषण पूरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा, हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ेंगे, मैं 83 साल का हूं, मैं इतनी जल्दी नहीं मरने वाला हूं। मैं तब तक जिंदा रहूंगा जब तक पीएम मोदी सत्ता से बाहर नहीं हो जाते। भाजपा पर निशाना साधते हुए खड़गे ने कहा, 'बीजेपी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से बहुत सारे वादे किए, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। अब अमित शाह कहते हैं कि हम 5 लाख नौकरियां देंगे। लेकिन सवाल है कि 10 साल में आपने क्या किया, क्यों नौकरियां नहीं दीं? जम्मू-कश्मीर में 65प्रतिशत सरकारी पद खाली हैं, इतने साल में आपने इन पदों को क्यों नहीं भरा? असलियत ये है कि ये केवल लोगों को गुमराह करना चाहते हैं। खड़गे ने कहा, नरेंद्र मोदी कहते थे- हर साल 2 करोड़ नौकरियां देंगे, विदेशों से काला धन लाएंगे और सबके खाते में 15-15 लाख आएगा। नरेंद्र मोदी अपने इन वादों को पूरा नहीं कर पाए। जो व्यक्ति झूठ बोलता है, जनता उसे कभी माफ नहीं करती है। जम्मू-कश्मीर की जनता भी नरेंद्र मोदी को कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, श्देश में नेहरू जी ने बड़े-बड़े संस्थान बनवाए, कारखाने लगवाए। उन्होंने देश में सड़क, रेल और विकास से जुड़े कई काम किए, जिससे तरक्की हुई। यूपीए की सरकार में जम्मू-कश्मीर में पीर पंजाल की टनल समेत विकास के कई काम हुए। मनरेगा, फूड सिक्योरिटी एक्ट आया। बच्चों को मुफ्त शिक्षा का अधिकार दिया। नरेंद्र मोदी ने विकास के नाम पर जनता को केवल बेरोजगारी, महंगाई और अत्याचार दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने ठान लिया है कि इस बार कांग्रेस और एनसी के गठबंधन को सरकार में लेकर आना है। ठश्रच के लोग यहां आकर भड़काऊ भाषण देते हैं। लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि इससे देश के लोगों का.. खासकर गरीबों और हमारी मां-बहनों का नुकसान होता है।

खड़गे ने मोदी पर लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि नरेंद्र मोदी और ठश्रच ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से झूठे वादे कर उन्हें धोखा दिया है। उनका जीवन तबाह किया है। हम जम्मू-कश्मीर में श्जनता की सरकारश चलाएंगे। आप सभी के जीवन में खुशहाली लाएंगे। जब तक इस देश में छुआछूत रहेगा, तब तक आरक्षण जारी रहेगा। इस देश में आरक्षण को कोई खत्म नहीं कर सकता है।

यूपी में एसआईआरः तिवारी के घर के पते पर फैज मोहम्मद... एक ही घर में 49 लोगों के नाम, किसने भरा मृतकों का फार्म?

कानपुर देहात,संवाददाता। अनंतिम विधानसभा मतदाता सूची में छह जनवरी को जारी की गई है। सूची में हैरान करने वाली खामियां सामने आ रही हैं। कहीं तिवारी जी के मकान में मोहम्मद साहब दर्ज हैं तो कहीं शर्मा जी के घर में त्रिपाठी जी रहते दिखाए गए हैं। एक घर में कहीं 18 तो कहीं 49 या इससे अधिक लोग रहते दिखाए गए हैं। वहीं एक ही घर में रहने वाले परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग बूथों पर दर्ज हैं। कई मृतकों के नाम भी शामिल हैं। मृतकों का एसआईआर फार्म किसने भरा। परिजन इससे अनजान हैं। खामियां इतनी ज्यादा है कि बीएलओ बताने से बच रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र अकबरपुर-रनियां के दिनेश तिवारी 52 साल के हैं। उनके परिवार में पांच मतदाता हैं। उनके ही घर के पते पर तीन अन्य मतदाता दिख रहे हैं। इसमें फैज मोहम्मद का नाम भी है। अन्य तीन मतदाता फैज मोहम्मद के परिवार के ही हैं। चौथा मतदाता किस परिवार का है यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। अब दिनेश घर पर दर्ज खान साहब के नाम को लेकर चिंतित हैं। अकबरपुर-रनियां विधानसभा क्षेत्र के धर्मेंद्र शर्मा 39 साल के हैं। उनके परिवार में पत्नी समेत पांच सदस्य हैं। उनके ही घर के पते पर 48 अन्य मतदाता भी कच्ची मतदाता सूची में दिख रहे हैं। इसमें कोई त्रिपाठी, वर्मा और कुशवाहा भी हैं। अब धर्मेंद्र मतदाता सूची में

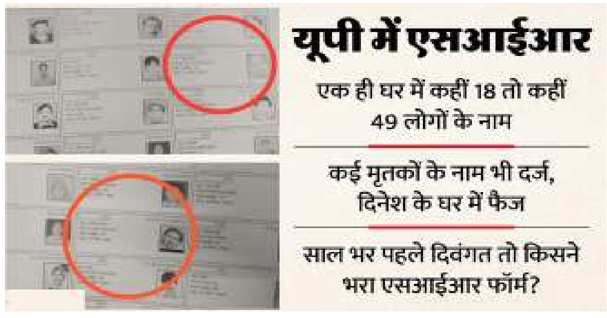

इस स्थित से चिंतित हैं। अकबरपुर-रनियां विधानसभा क्षेत्र की मसौदा सूची में आशीष (51) को उनकी पत्नी अनुराधा से अलग घर में दर्शाया गया है। कारोबारी आशीष के परिवार में सात मतदाता हैं। मां, भाइयों व उनकी पत्नियों समेत छह नाम एक घर के पते पर हैं, जबकि उनकी पत्नी का नाम दूसरे के घर के पते पर है। मतदाता सूची में एक मकान नंबर पर यदि अधिक संख्या में मतदाता हैं तो ऐसे प्रकरणों की जांच कराई जाएगी।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत, ड्यूटी पर जा रही थी आस्था

प्रयागराज। प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र के मम्मफोर्डगंज स्थित त्रिपाठी चौराहे के पास आज एक सड़क दुर्घटना में ड्यूटी पर जा रही एक युवती की आर्मी ट्रक की चपेट में आने से मौत

हो गई। युवती की पहचान करेली इलाके के सादियाबाद निवासी आस्था कुमारी (20) के रूप में हुई है। यह घटना उस समय हुई जब आस्था कुमारी अपनी स्कूटी से कार्यस्थल के लिए निकल रही थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आस्था कुमारी आज सुबह अपनी स्कूटी से ड्यूटी के लिए जा रही थीं। जैसे ही वह त्रिपाठी चौराहे के पास पहुंचीं, तभी एक बेकाबू आर्मी ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की भीषण टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत होल गई।

दिन में खिली धूप, शाम होते ही जकड़ रहा जाड़ा

प्रयागराज। जनवरी माह के मध्य में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। दिन में खिल रही धूप राहत देती है, लेकिन शाम होते ही गलन व जाड़े में लोग जकड़ जा रहे है। तापमान के इस उतार–चढ़ाव का असर जहां लोगों की सेहत पर पड़ रहा है, वहीं फसलों पर भी इसका असर दिख रहा है।

विगत तीन दिनों से सुबह धूप खिल उठती है। इससे राहत के साथ लोग अपनी दिनचर्या को पूरा करते हैं, लेकिन शाम होते ही बर्फीली हवा और ठंड लोगों को दुबकने को मजबूर कर रही है। मौसम के बदलते तेवर से सर्दी–जुकाम, खांसी व सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिल रहा है। खासकर बच्चों एवं बुजुर्गों पर इसका असर ज्यादा देखा जा रहा है। वहीं खेती–किसानी की बात करें तो धमप गेहूं, सरसों की फसल के लिए लाभकारी है।

काश्तकारों का कहना है कि इससे पौधों की बढ़वार अच्छी हो रही है और दाने भरने की प्रक्रिया मजबूत हागी है। वहीं शाम की ठंडक से नमी बनी रहती है, जो इन फसलों के लिए फायदेमंद है। किसान रामलाल पटेल ने बताया कि दिन की धूप से गेहूं की फसल खूब बढ़ रही है। ठंडक भी ठीक है, इससे उत्पादन अच्छा मिलेगा। वहीं किसान सुरेश कुमार मौर्य के अनुसार सब्जियों पर ठंड का असर दिख रहा है। आलू व टमाटर की पत्तियां सिकुड़ रही हैं। अगर पाला पड़ा तो नुकसान और बढ़ जाएगा।

– मौसम के उतार–चढ़ाव से सर्दी–जुकाम और सांस की तकलीफें बढ़ रही हैं। लोगों को चाहिए कि वे सुबह–शाम गर्म कपड़े पहनें एवं खानपान में सावधानी बरतें। बच्चों व बुजुर्गों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। – डा. अमरेश वर्मा, सीएचसी प्रभारी, कौड़िहार।

सर्दी में दोहरी मार, लावारिस पशु से खेती हो रही चौपट

प्रयागराज। सर्दी में किसानों को दोहरी मार पड़ रही है। शीतलहर के कारण लोग शाम होते–होते अपने घरों में दुबक जाते हैं। दूसरी तरफ लावारिस पशुओं से किसानों की सर्द रातें खेती की पहरेदारी में कट रही हैं। लावारिस पशुओं के झुंड जहां से भी गुजरते हैं, वहां की खड़ी फसलों को कुछ ही देर में चौपट कर देते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या देशी गाय व बछड़ों की है। हालत ऐसी है कि किसान दिन रात खेतों में पहरा देते हैं और जरा सी लापरवाही होती ही ये पशु पूरी फसल को नष्ट कर देते हैं। बता दें कि कोरांव का बड़ोखर और महुली क्षेत्र पहले से ही नीलगाय से परेशान था और अब लावारिस पशुओं ने किसानों का चौन छीन लिया है। किसान जवाहर लाल, सुनील मौर्या, शिव सागर और रमेश सिंह आदि ने बताया कि हर गांव में सैकड़ों की संख्या में लावारिस पशु घूम रहे हैं।

खेतों में इन दिनों गेहूं, सरसों और चना आदि फसलों की बोआई हो गई है, लेकिन पशुओं की टोलियां चंद मिनटों में ही पूरे खेत में खड़ी फसल को बर्बाद कर देते हैं। दिनभर खेतों में कार्य करने वाले किसानों को रात को सर्दी की परवाह किए बिना इनसे अपनी फसलों की रक्षा के लिए अलाव जलाना पड़ता है।

पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचा तो मची चीख–पुकार

प्रयागराज। पोस्टमार्टम के बाद बुजुर्ग का शव उनके पैतृक गांव मेजा के गौरा पौसिया लाई पहुंचा तो चीख–पुकार मच गई। सोमवार को सिरसा के छतवा गंगा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। बता दें कि गौरा पौसिया के मिठाई लाल प्रजापति (70) की रविवार सुबह सड़क पार करते वक्त बाइक की टक्कर से मौत हो गई थी। बाइक सवार मेजा खास निवासी रहीम अहमद (23) गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसका इलाज शहर के एक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

अपमान का बदला लेने के लिए दोस्त ने की थी युवक की हत्या

प्रयागराज। नहर किनारे स्थित तालाब परिसर में मिले युवक के शव की गुत्थी को पुलिस और एसओजी, सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त टीम ने 48 घंटे में सुलझा लिया। हत्या के इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने वांछित को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ईंट का टुकड़ा भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार अपमान का बदला लेने के लिए आरोपी ने युवक की हत्या की थी। परासिनपुर स्थित नहर के पास बीते 10 जनवरी को दीपक यादव उर्फ गुड्डू (27) का शव बरामद किया गया था। सूचना मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त विवेक यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक के पिता छोटे लाल यादव की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर विवेक यादव ने बताया कि जांच में सामने आया कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि मृतक के करीबी मित्र ने ही की थी। सोमवार को बौड़ई स्थित नहर के पास से आरोपी सौरभ यादव, निवासी ग्राम परासिनपुर कोतवाली फूलपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले कस्बा फूलपुर में दीपक यादव से उसका विवाद हो गया था। दीपक यादव ने उसके साथ मारपीट की और लोगों के सामने अपमानित किया था। उसी अपमान का बदला लेने के लिए उसने बीते नौ जनवरी की शाम शराब पीने के लिए उसे बुलाया।

मकर संक्रांति पर दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का अनुमान, तैयारी में जुटा प्रशासन

प्रयागराज। माघ मेले में मकर संक्रांति स्नान पर्व पर दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसको लेकर मेला प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। सभी सात मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोड मैप तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं को उनके नजदीकी घाट पर पहुंचाने के लिए पूरा खाका तैयार किया गया है।

मकर संक्रांति पर संगम तट पर 15 जनवरी को आस्था का भव्य नजारा देखने को मिलेगा। मेला प्रशासन ने इस मौके पर दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के संगम स्नान के अनुमान को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। अरैल, झूंसी, संगम क्षेत्र में करीब 24 घाटों पर स्नान की व्यवस्था की गई है। जो श्रद्धालु जिस तरफ से आएगा, उसी के नजदीक घाट पर स्नान कराने की तैयारी की जा रही है।

पिछले साल 15 जनवरी को मकर संक्रांति पर करीब 29 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया था। इस बार भीड़ को देखते हुए स्नान घाटों की लंबाई बढ़ाकर 3.69 किमी कर दी गई है। पिछली बार यह लंबाई केवल दो किमी ही थी। मेला क्षेत्र में 106.24 किमी लंबाई में चकर्ड प्लेट से सड़कें

तैयार की गई हैं।

तीर्थ पुरोहितों, आचार्यबाड़ा, दंडीबाड़ा, खाक चौक सहित प्रमुख आध्यात्मिक संस्थाओं के शिविर सज चुके हैं। मेला प्रशासन के अनुसार 10 लाख से अधिक कल्पवासी भी संगम में डुबकी लगाएंगे। कल्पवासियों को उनके संबंधित सेक्टर के पास वाले घाट पर ही स्नान की व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए 14 अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। ट्रैफिक मूवमेंट प्लान के तहत बाइक टैक्सी की भी व्यवस्था की गई है। पर्यटकों के लिए स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से वाटर स्पोर्ट्स और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का संचालन किया जा रहा है। इसका अब तक एक हजार से अधिक पर्यटक आनंद ले चुके हैं।

सुरक्षा के इंतजाम

एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की टीम ने मोर्चा संभाल लिया है। अत्याधुनिक हथियारों से लैस प्रशिक्षित स्नाइपर को तैनात किए गए हैं, जो असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेंगे।

स्नान घाट

अरैल क्षेत्र– पक्का घाट, अरैल, सेल्फी प्वाइंट, महाकाल आरती घाट, चक्रम माधव घाट, सोमेश्वर महादेव घाट

झूंसी क्षेत्र– संगम लोअर घाट, एरावत घाट, मोरी घाट, ओल्ड जीटी घाट, शिवाला घाट, दंडीबाड़ा घाट, आचार्यबाड़ा घाट, कल्पवासी घाट

परेड संगम क्षेत्र– संगम नोज, संगम यमुनापट्टी घाट, गंगापट्टी घाट, महावीर घाट पश्चिमी, रामघाट, काली घाट, मोरी घाट, शिवाला घाट पश्चिमी, दशाश्वमेध घाट, नागवासुकि घाट

माघ मेले में सेंट वाले बाबा की धूम, रेती पर बांट रहे हैं भक्ति रस

प्रयागराज। संगम की रेती पर माघ मेले ने भव्य स्वरूप लेना शुरू कर दिया है। संगम तट पर हर दिन देश ही नहीं विदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे है। अध्यात्म और भक्ति से सराबोर माघ मेले में साधु–संत अलग–अलग भेषभूषा और बोली से चर्चा में हैं।

संगम की रेती पर माघ मेले ने भव्य स्वरूप लेना शुरू कर दिया है। संगम तट पर हर दिन देश ही नहीं विदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे है। अध्यात्म और भक्ति से सराबोर माघ मेले में साधु–संत अलग–अलग भेषभूषा और बोली से चर्चा में हैं। इन्हीं में एक हैं सेंट वाले बाबा। वह संगम लोवर मार्ग पर धूनी रमाए रेती पर भक्ति रस बांट रहे हैं।

माघ मेले में दो मुख्य बड़े स्नान पर्व मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या से पहले साधु संगत मेले में पहुंचकर भक्तों को आशीर्वाद दे रहे हैं। जिस तरह प्रयागराज महाकुंभ 2025 में बाबाओं के रूप और जलवे निराले थे ठीक उसी तरह इस बार भी कई साधुदृसंतों अलग रूप में नजर आ रहे है। मेले में कोई साधु नाम तो कोई भेषभूषा से चर्चा में है।

ऐसे ही एक नागा बाबा मेला क्षेत्र हैं। नाम है सेंट वाले बाबा बाबा जो माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर दो में अपनी कुटिया में पूरे शरीर में भस्म लगाकर धूनी रमाए हैं। सेंट वाले बाबा आंखों पर काला चश्मा पहनकर धूनी रमाकर तपस्या और साधना में लीन रहते है। सेंट वाले बाबा के दर्शन करने वाले श्रद्धालु भी उनसे आशीर्वाद लेने पहुंच रहे है। यह उनकी मर्जी पर निर्भर है कि वह किसी से बात करते हैं या नहीं। जब कोई भी भक्त

उनसे आशीर्वाद लेने पहुंचता है तो मन होने पर सेंट वाले बाबा उसके ऊपर सेंट (परफ्यूम) छिड़ककर उसे अपना आशीर्वाद देते हैं। सेंट बाबा कहते है हम लोग मसान यानी श्मशानघाट से ये सेंट लाते है और भक्तों को प्रसाद के रूप में देते है। इसलिए मेरा नाम सेंट बाबा पड़ा।

जहां जाते हैं सेंट का पिटारा होता है साथ

सेंट वाले बाबा के मुताबिक वह कहीं भी जाते हैं तो उनके पास हमेशा सेंट से भरा पिटारा रहता है। सेंट का प्रयोग भगवान की साधना में भी किया जाता है। बाबा का असली नाम बालक दास उर्फ नारायण भूमि है। बाबा श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन से जुड़े हैं। इनका गुरु स्थान पंजाब में अमृतसर है। बाबा ने बताया कि उन्होंने 13 साल की उम्र में ही अपने घर को त्याग दिया और संन्यास धारण कर लिया। उन्हें संन्यास धारण किए 17 बरस हो चुके है। साधु वेष धारण कर संन्यास लेने फिर दीक्षा लेने के पीछे की वजह के बारे में उनका कहना है कि कुछ भगवान की प्रेरणा हुई और कुछ उनका पूर्व जन्म का प्रारब्ध है। हर किसी के भाग्य में बाबा बना नहीं होता है। हम बाबा नहीं बनते तो संगम की रेती पर धूनी कैसे रमा पाते।

भक्ति में लीन होकर भक्तों को सुनाते हैं भजन

सेंट बाबा उर्फ बाबा बालक दास हमेशा भगवान की भक्ति में लीन रहते हैं और श्रद्धालुओं संग भक्तों को तरह–तरह के भजन भी सुनाते हैं। सेंट बाबा ने लोगों को संदेश देते हुए भजन सुनाया कि फैशन चाहे जितना कर लो, चाहे मार लो सेंट, इस जगत में कोई नहीं परमानेंट। बाबा अपने भजनों और गानों से अपने भक्तों को आकर्षित कर रहे हैं।

बाबा ने बताया कि सेंट लगाने कि वजह यह है कि जिसमें संस्कार होगा उससे आत्माएं दूर भागेंगी और जो अपना घर छोड़कर संन्यास अपना चुका है उस पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला चाहे वो श्मशामघाट ही क्यों न चला जाए। भक्तों को बाबा सेंट लगाकर उनको उनकी मनोकामना पूरी होने के लिए आशीर्वाद दे रहे हैं। माघ मेले में कई ऐसे अनोखे साधुदृसंत पहुंचे है जो अपनी वेशभूषा, तपस्या और अनूठे कामों से श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रहे है। माघ मेले में धुनी रमाते बाबाओं का आकर्षक रूप देखने को मिल रहा है जिसमें लंबे जटाधारी, भस्म रमे, नागा साधु, और अजब–गजब वेशभूषा शामिल है।

महाकुंभ 2025 में भी अखाड़ों से जुड़े बाबाओं ने आध्यात्मिकता के साथ–साथ सामाजिक संदेश दिए थे। इस बार भी अखाड़ों से जुड़े कुछ बाबा इन दिनों संगम की रेती पर अपनी कुटिया बनाकर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे है। कहा जाता है कि ऐसे बाबाओं की एक अलग रहस्यमयी दुनिया होती है। कुछ ऐसे ही एक बाबा माघ मेले में चर्चा का विषय बने हुए है।

अवैध संबंध बनाते देख की गई थी हत्या पल्लेदार, चचेरे भाई व भाभी को भेजा गया जेल

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के विशंभरपुर गांव निवासी मोहित कुमार (19) पुत्र चिरौंजी लाल की हत्या अवैध संबंध बनाते हुए पकड़ जाने पर की गई थी। आरोपी चचेरे भाई और भाभी ने पुलिस की पूछताछ में हत्या की बात कबूल कर ली है। सोमवार को पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं एफआईआर में तीसरे आरोपी उसके बहनोई त्रिभुवन की भूमिका की जांच की जा रही है। हत्या का सही कारण स्पष्ट हो, इसके लिए मृतक का दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बता दें कि मोहित का शव बीते तीन जनवरी को घर से 200 मीटर दूर नाले में मिला था। वह दो जनवरी को घर से काम के लिए निकला था, लेकिन लौट कर घर नहीं पहुंचा था। वह औद्योगिक इकाइयों में पल्लेदारी का काम करता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या का कारण स्पष्ट नहीं होने के कारण विसरा सुरक्षित किया गया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गले की हड्डी टूटने और पेट में गंदा पानी पाया जाना बताया गया था। मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस घटनास्थल के आसपास के कैमरों की फुटेज को खंगाली थी। फुटेज में उसके चचेरे भाई विजय राज व भाभी सतरूपा की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी।

शनिवार को पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकारते हुए बताया कि गला दबाकर मोहित हत्या की गई थी। इसके बाद शव को रात के अंधेरे में नाले में फेंक दिया गया था। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि मृतक का उसके भाभी के साथ अवैध संबंध था। दो जनवरी की शाम को जब विजय राज घर पहुंचा तो वहां मृतक और उसकी पत्नी मौजूद थी। दोनों के कपड़े अस्त–व्यस्त थे।

विवाद होने पर उन्होंने मिलकर मोहित की हत्या कर दी और रात के अंधेरे में शव को घर के पास नाले में ले जाकर फेंक दिया था।

मृतक के भाई रमा शंकर ने विजय राज के बहनोई त्रिभुवन पर भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हेराफेरी किए जाने का आरोप लगाते हुए पुनरु पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की थी। पुलिस ने रमा शंकर की तहरीर पर चचेरे भाई विजय राज, भाभी सतरूपा और बहनोई त्रिभुवन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी। एसओ औद्योगिक क्षेत्र विपिन कुमार पाल ने बताया कि पूछताछ में अवैध संबंध की बात आरोपियों ने स्वीकारी है। तीसरे आरोपी की भूमिका की जांच की जा रही है।

मोहित की मौत का कारण अस्पष्ट होने के कारण उसके शव को दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा। एसओ औद्योगिक क्षेत्र विपिन कुमार पाल ने बताया कि डीसीपी यमुनापार को पत्र लिया गया है। आदेश मिलते ही शव को जमीन से निकलवाकर दोबार पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

11 वर्ष बाद मकर संक्रांति पर षटतिला एकादशी का महासंयोग

प्रयागराज। इस वर्ष मकर संक्रांति का पर्व ज्योतिषीय दृष्टिकोण से अत्यंत विशेष है। 14 जनवरी को 11 वर्षों के बाद मकर संक्रांति के साथ षटतिला एकादशी का महासंयोग बन रहा है। इससे पहले यह दुर्लभ योग वर्ष 2015 में बना था।

इस वर्ष मकर संक्रांति का पर्व ज्योतिषीय दृष्टिकोण से अत्यंत विशेष है। 14 जनवरी को 11 वर्षों के बाद मकर संक्रांति के साथ षटतिला एकादशी का महासंयोग बन रहा है। इससे पहले यह दुर्लभ योग वर्ष 2015 में बना था। ऐसी मान्यता है कि यह महासंयोग सभी बिगड़े कार्यों को बनाने वाला और अविवाहित जातकों के लिए वरदान सिद्ध होने वाला है। ज्योतिषाचार्य कस्तूरी रॉय चौधरी कहती हैं कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिन गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन स्नान से मनुष्य के सभी पापों का शमन होता है और कार्मिक

क्रियाएं सुव्यवस्थित होती हैं। 14 जनवरी को स्नान का शुभ मुहूर्त (पुण्यकाल) दोपहर 3रू13 बजे से शाम 4रू58 बजे तक रहेगा। षटतिला एकादशी भगवान विष्णु के प्रिय दिनों में से एक है।

ज्योतिष गणना के अनुसार, एकादशी तिथि 13 जनवरी को दोपहर 3रू17 बजे से शुरू होकर 14 जनवरी को शाम 5रू52 बजे तक रहेगी। इसके अलावा 15 जनवरी को भी स्नान का पुण्यकाल है। इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग का भी दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस वर्ष 14 और 15 जनवरी दोनों दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी। 14 जनवरी को सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होगा, और चंद्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेंगे।

महासंयोग के दिन करने चाहिए कुछ विशेष कार्य

ज्योतिषाचार्य चौधरी के अनुसार, संक्रांति के दिन सुबह जल्दी उठकर नहाने के पानी में थोड़ी हल्दी डालनी चाहिए। भगवान विष्णु के मंदिर जाकर तिल और गुड़ का भोग लगाएं और तिल की रेवड़ियों को प्रसाद के रूप में वितरित करें। इस दिन श्री विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करना बेहद शुभ होगा। ध नमो भगवते वासुदेवाय नमः का 108 बार जाप करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में फिर सक्रिय होंगी प्रियंका गांधीः संजय तिवारी

प्रयागराज। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर प्रतापपुर बाजार में कार्यकर्ताओं ने प्रियंका गांधी का जन्मदिन मनाया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य संजय तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में प्रियंका गांधी फिर सक्रिय होंगी। मौके पर मनोज पासी, राकेश पटेल, दिनेश यादव, मनोज त्रिपाठी, सच्चिदानंद त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता रवि सोनकर उर्फ गोलू सोनकर, प्रदीप कुमार, आयुष सिंह आदि मौजूद रहे।

चौपाल में किसानों ने बुलंद की आवाज

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने क्षेत्र के गोपालीपुर गांव में किसान चौपाल का आयोजन कर सदस्यता अभियान चलाया। चौपाल में किसानों की बिजली, पानी, सिंचाई समेत

थाना, तहसील और ब्लॉक स्तर पर लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान 78 किसानों ने भाकियू टिकैत की सदस्यता भी ग्रहण की।

मुख्य अतिथि भाकियू टिकैत के जिला अध्यक्ष रमीज नकवी ने कहा कि यदि पखवाड़े भर के भीतर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो तहसील, ब्लॉक और थाने का घेराव किया जाएगा। किसान पंचायत की अध्यक्षता भाकियू नेता लालचंद यादव ने की। इस मौके पर फूलचंद्र उपाध्याय, देवेंद्र खन्ना, भोला प्रजापति, यदुनाथ, फैसल, तौसीफ बाबर और देवनाथ रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर सीएचसी में धरना, आश्वासन के बाद खत्म

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में भारतीय किसान यूनियन ने प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रशासन के आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने सीएचसी में एक्सरे एवं अल्ट्रासाउंड मशीन की व्यवस्था, दंत चिकित्सक एवं आवश्यक उपकरण, नेत्र चिकित्सक की तैनाती, उपलब्ध दवाइयों की सूची सार्वजनिक करने, महिला एवं बाल चिकित्सकों की नियमित नियुक्ति, सीएचसी में तैनात डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ तैनाती की मांग की।

इसके बाद मांगों से संबंधित ज्ञापन मंडल महासचिव भैयाजी दुबे ने डिप्टी सीएमओ प्रमोद कुमार एवं सीएचसी अधीक्षक उमेश कुमार को सौंपा। डिप्टी सीएमओ ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंदेल ने एक सप्ताह में सुधार करने की चेतावनी देते हुए धरना स्थगित करने की घोषणा की। इससे पहले राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर अधिवक्ता कृष्णा नंद शुक्ला, कमलेश शुक्ला, गुलाब सिंह, गुड़िया यादव, रुक्मिणी, विद्याकांत तिवारी, अंबिका, आशीष, भारत लाल आदि मौजूद रहे।

मां की मौत के सदमे में बेटे की गई जान

प्रयागराज। बीमारी से मां की मौत के सदमे से बेटे की भी जान चली गई। सिरसा कस्बे के मूल निवासी मोहित केशरी (27) मां निर्मला देवी (70) और भाइयों के साथ यहां रामनगर में किराये का कमरा लेकर रहता था। रामनगर कस्बे में ही मोहित जूता–चप्पल की दुकान चलाता था।

जबलपुर इकाई की काव्य गोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की जनवरी माह की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलता पूर्वक संपन्न। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि डा. कामना कौस्तुभ विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे

अर्चना मलैया एवं चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति कृष्णा राजपूत द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन अनीता दुबे एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। आरती शर्मा, गायत्री चौबे,मंजूषा किंजवडकर, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला , कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन अनीत दुबे किया।

जनकल्याण हेतु हमारे पूर्वजों ने अपने शरीर को बनाया प्रयोगशालाः प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन आज दिनांक 13–01–2026 को परिसरीय मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के सम्पूर्ति सत्र में मुख्यातिथि के प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, सारस्वतातिथि प्रो. के.रामचन्द्र रेड्डी, कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर, विशिष्ट अतिथि प्रो. केदारनाथ, प्राचार्य, लाल बहादुर शास्त्री स्मारक राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, हण्डिया, प्रयागराज ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं सारगर्भित सम्बोधन से छात्र–छात्राओं को आयुर्वेद की समृद्ध परम्परा से परिचित कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" तथा विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर ने की। मुख्य अतिथि प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने आयुर्वेद एवं संस्कृत के प्रगाढ़ सम्बन्ध की शास्त्राधारित चर्चा की। उन्होंने पूर्वजों द्वारा स्वयं के शरीर को प्रयोगशाला बनाकर आयुर्वेद के रहस्यों को जनकल्याण हेतु प्रस्तुत किया। उन्होंने आयुर्वेद की समग्र चिकित्सापद्धति को विशिष्ट

बताया। प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी ने ऑनलाइन माध्यम से अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए आयुर्वेद को भारतीय ज्ञान परम्परा का स्तम्भ बताया। प्रो. केदारनाथ ने आयुर्वेद के समक्ष मधुमेह रोग की बढ़ती चुनौती का उल्लेख करते हुए आयुर्वेद द्वारा इस रोग की चिकित्सा में प्राप्त सफलता का वर्णन किया। उन्होंने व्यायाम, प्राणायाम, संयमित आहार–विचार को आयुर्वेद उपचार की अनिवार्य शर्त बताया। परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय परमहंस ने आयुर्वेद को देश के प्रत्येक किचन में उपस्थित बताते हुए हमारी जीवन पद्धति में आयुर्वेद की उपस्थिति को विशेष बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर ने आयुर्वेद के क्षेत्र में हो रहे नित नये शोध को आयुर्वेद की लोकप्रियता का परिचायक बताया एवं हाल ही मे जामनगर में आयोजित आयुर्वेद सम्मेलन में अश्वगन्धा पर 2000 से भी अधिक शोध पत्रों की प्रस्तुति का उल्लेख किया। उपस्थित विद्वतजनों एवं छात्र–छात्राओं को परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने ऑनलाइन माध्यम से सम्बोधित करते हुए सभी को कार्यशाला की सफलता हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके पूर्व कार्यशाला के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने कार्यशाला का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए इसे अत्यधिक सफल बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशवन्त त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. अवनीश पाण्डेय, डॉ. सुरेश पाण्डेय, सुश्री अश्विनी लंके, श्री राजेशकान्त तिवारी समेत परिसरीय समस्त कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधच्छात्र एवं प्राक्शोध पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राएँ समेत अन्य परिसरीय छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

प्रयागराज में हुआ जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज का पावन आगमन

प्रयागराज, तीर्थराज। अध्यात्म, सनातन संस्कृति और वैदिक परंपरा की पावन भूमि प्रयागराज आज एक दिव्य क्षण की साक्षी बनी, जब ज्योतिर्मठ के उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज का पावन आगमन माघ मेला क्षेत्र में हुआ। महाराज जी के आगमन से सम्पूर्ण संगम नगरी भक्तिरस और आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत हो उठी।

महाराज जी का स्वागत वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं हर–हर महादेव के जयघोष के साथ संतों, साधुओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। उनके शिविर में प्रवेश के साथ ही विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों एवं साधना–सत्संग का शुभारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर अनेक प्रतिष्ठित संत–महात्मा एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से सर्व श्री दण्डी स्वामी अनन्तश्री सदाशिव ब्रह्मेन्द्रानन्द सरस्वती जी, शाकंभरी पीठाधीश्वर सिद्ध भैरव तंत्र आचार्य श्री महंत सहजानंद ब्रह्मचारी जी, महंत ब्रह्मचारी श्रीधरानंद जी और पंकज पाण्डेय (मेला प्रभारी) सहित अनेक संतगण उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त श्रीराम सजीवन शुक्ल, विकास शुक्ल, रत्नेश मिश्रा, विवेक शुक्ला, दिलीप तिवारी, योगिराज, मनीष तिवारी, योगेश शुक्ल, सत्यम चौबे, शिवम् तिवारी, ललित तिवारी, कार्तिकेय तिवारी एवं अन्य श्रद्धालु व गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर के साक्षी बने। प्रयाग प्रवास के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज द्वारा गुप्त नवरात्र के विशेष अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। प्रयाग माता भगवती ललिता देवी का सिद्ध शक्तिपीठ क्षेत्र होने के कारण इस साधना का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। यह अनुष्ठान राष्ट्र की सुख–समृद्धि, सनातन धर्म की सुदृढ़ता तथा लोक कल्याण की भावना से किया जा रहा है। महाराज जी के सान्निध्य में प्रतिदिन सत्संग, वेदांत प्रवचन एवं भगवती की विशेष आरती का आयोजन होगा। उनके आगमन से माघ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

नीलगाय से बाइक टकराई, युवक घायल

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अल्ट्राटेक प्लांट के सामने एक तेज रफ्तार बाइक सड़क पर आई नीलगाय से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। सूचना मिलते ही मोहनलालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जांच में पता चला कि बाइक संख्या यूपी 32 पीडब्लयू 0395 की नीलगाय से टक्कर हुई, जिससे बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। बाइक सवार प्रदीप पुत्र स्व. शीतल वश, निवासी गौरा, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ को हल्की चोटें आईं। हेलमेट पहनने के कारण युवक की जान बच गई। पुलिस ने डायल 112 की मदद से घायल प्रदीप को परिजनों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज भेजा। वहां चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। युवक की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। हादसे के कारण कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए यातायात को सुचारू रूप से संचालित कराया और स्थिति को सामान्य किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर अक्सर नीलगाय आ जाने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

भाजपा की कार्यशाला, विपक्ष को परास्त करने के लिए संगठन को धार

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश के चुनावों की तैयारी में जुट गई है। राज्यसभा, विधान परिषद, रिक्त सीटों पर उप–चुनाव और पंचायत चुनाव के रण से पहले संगठन को धार दी जाने लगी है। इसी क्रम में लखनऊ में कार्यशाला आयोजित की गई। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजि और हरियाणा के पूर्व उपाध्यक्ष ओपी धनकड़, पार्टी के जन–प्रतिनिधिा और नेताओं के साथ संवाद कर रहे हैं।

तीरथराज प्रयाग

(कुण्डलिया)

तीरथराज प्रयाग में, देख धर्म मर्याद।
माघ नित्य स्नान कर, करता ग्रहण प्रसाद।
करता ग्रहण प्रसाद, बताता महिमा इसकी।
खिचड़ी मुख्य नहान, त्रिवेणी खुद ही कहती।
सुन लो कहें प्रदीप, यहाँ पर आकर मन्मथ।
धारणकर संन्यास,गा रहे महिमा–तीरथ।।

खिचड़ी पावन पर्व पर, समझ माघ–विज्ञान।
मन्मथ वैरागी हुए, करके गंग–नहान।
करके गंग–नहान, त्रिवेणी–महिमा गाते।
हर तीरथ से श्रेष्ठ, इसे सबको बतलाते।
सुन लो कहें प्रदीप,अनोखी महिमा इसकी।
ठिठुरन के ही बीच, नहाते हैं सब खिचड़ी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कार्यालय कक्ष के रेनॉवेशन उपरान्त फीता काटकर कराया कार्यालय प्रवेश

मुजफ्फरनगर। गाँधी पॉलीटेक्निक में स्टेनोग्राफी ब्रांच के कार्यालय में पुरातन छात्र एसोसिएशन द्वारा जर्जर फर्श के स्थान पर टाइल्स लगवाकर व कार्यालय की साफ–सफाई उपरान्त रंगाई–पुताई करायी गई, प्रधानाचार्य इं० राजीव सिंह ने फीता काटकर नवीनीकृत कार्यालय कक्ष में कार्यालय प्रभारी श्रीमती बबीता देवी को कार्यालय प्रवेश कराया। रेनॉवेशन कार्य में पॉलीटेक्निक के स्टेनोग्राफी ब्रांच के पुरातन छात्र जगबीर सिंह यादव, रिपोर्टिंग ऑफिसर (पी. आर.),

राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ का विशेष योगदान रहा स इस अवसर पर पॉलीटेक्निक में कार्यरत, चरथावल के पूर्व विधायक रणधीर सिंह एडवोकेट के पुत्र इं० अंकित सिंह, प्रवक्ता सिविल इंजीनियरिंग को स्मृति चिन्ह व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

पुरातन छात्र एसोसिएशन के संयोजक इं० बसन्त कुमार गोयल ने बताया कि इस अवसर पर इं० चमन लाल, इं० बृजेन्द्र, इं० अंकित सिंह, आर के मोगा, अनुज कुमार, अभिषेक, सचिन, आर के सैनी, अमित गंगवार, विनोद वत्स, ललित, नूपुर, नितिन आदि उपस्थित रहे।

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

मुख्य स्नान पर्व एवं तिथिः

मकर संक्रांति- 15.01.2026 | मौनी अमावस्या- 18.01.2026
बसन्त पंचमी- 23.01.2026 | माघी पूर्णिमा- 01.02.2026 | महाशिवरात्रि- 15.02.2026

मुख्य स्नान दिवसों पर प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर निकास एवं प्रवेश की व्यवस्था

प्रयागराज जं. से निकास - केवल सिविल लाइन्स की ओर से
प्रयागराज जं. पर प्रवेश - लीडर रोड द्वारा केवल सिटी साइड की ओर से
प्रयागराज जं. पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं. एवं रंग	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1 लाल रंग	1 लाल रंग	वाराणसी एवं लखनऊ की ओर	7 से 10
2 नीला रंग	2 नीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	4,5
3 पीला रंग	3 पीला रंग	मानिकपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना की ओर	1
4 हरा रंग	4 हरा रंग	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	2,3
5	5	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

सूबेदारगंज स्टेशन से निकास - केवल जी.टी रोड की ओर से
सूबेदारगंज स्टेशन पर प्रवेश - केवल राजरूपपुर की ओर से
सूबेदारगंज स्टेशन पर बनाए गए यात्री आश्रय का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं.	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	-	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	1
3	-	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

प्रयागराज छिवकी स्टेशन से निकास - केवल GEC रोड से
प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्रवेश - केवल COD रोड से
प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1A	1 हरा रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	1, 2
1B	2 लाल रंग	मानिकपुर, सतना, जबलपुर की ओर	3, 4
1B	3	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी की ओर	3, 4
2	4	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

नैनी जं. से निकास - केवल माल गोदाम की ओर से
नैनी जं. पर प्रवेश - केवल स्टेशन रोड से
नैनी जं. पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित हैः-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	1 हरा रंग	कानपुर की ओर	2
1	2 नीला रंग	मानिकपुर, चित्रकूट, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी की ओर	3
1	3 लाल रंग	मानिकपुर, सतना, जबलपुर की ओर	3
2	-	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से
3, 4	4A, 4B पीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	1

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट http://melarailseva.com/digital/ पर जायें या दिया गया QR स्कैन करें।
माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139
अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें। UTS on Mobile App डाउनलोड करने के लिए QR स्कैन करें।
कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।
उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान
नोटः- तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खोले गये हैं। 67/26 (A)
@CPRONCR | North central railways | cpronclry | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

अपने गन्तव्य स्थान की ओर जाने वाली स्पेशल ट्रेन पकड़ने के लिए सम्बन्धित स्टेशन पर ही पहुँचें।

दिशा	गाड़ी मिलने का स्टेशन
मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, पटना, गया की ओर	प्रयागराज जं. नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
मानिकपुर, चित्रकूट, महोबा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना, जबलपुर की ओर	प्रयागराज जं. नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
कानपुर, अलीगढ़, मेरठ, दिल्ली की ओर	प्रयागराज जं., सूबेदारगंज
लखनऊ, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, जौनपुर, अयोध्या की ओर	प्रयाग, फाफामऊ जं.
वाराणसी, मऊ, गोरखपुर, बलिया की ओर	प्रयागराज रामबाग झूसी

मुख्य स्नान दिवसों पर प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा

क्र.सं.	पर्व का नाम	तिथि	दिन	यातायात प्रतिबंध की अवधि
1	मकर संक्रांति	15-01-2026	गुरूवार	दिनांक – 14.01.2026 को 00:00 बजे से
2	मौनी अमावस्या	18-01-2026	रविवार	दिनांक – 20.01.2026 को 24:00 बजे तक
3	बसन्त पंचमी	23-01-2026	शुक्रवार	दिनांक – 22.01.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 25.01.2026 को 24:00 बजे तक
4	माघी पूर्णिमा	01-02-2026	रविवार	दिनांक – 31.01.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 03.02.2026 को 24:00 बजे तक
5	महाशिवरात्रि	15-02-2026	रविवार	दिनांक – 14.02.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 17.02.2026 को 24:00 बजे तक

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट https://melarailseva.com/digital/ पर जायें या दिया गया QR स्कैन करें।
माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139
अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें। UTS on Mobile App डाउनलोड करने के लिए QR स्कैन करें।
कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।
उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान
नोट :– तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खाले गये हैं। 68/26 (MG)
@CPRONCR | North central railways | cpronclry | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.......

ईरान में उबाल

ईरान में दशकों से जारी कट्टरपंथी शासन में गाहे–बगाहे प्रतिरोध के स्वर उभरते रहे हैं, जिनका दमन भी शक्ति से होता रहा है। लेकिन मौजूदा विरोध पिछले एक दशक में सबसे तीव्र है। प्रदर्शनकारियों के दमन और प्रदर्शनकारियों को मृत्यु दंड देने की चेतावनी के बाद नहीं लगता है कि जन–अशांति कम होगी। प्रदर्शनकारियों को 'ईश्वर का शत्रु' बताने की ढाल ईरानी सत्ताधीशों को किस हद तक सुरक्षा कवच मुहैया कराएगी,कहना कठिन है। ये महज तात्कालिक उद्देश्य ही किसी हद तक पूरा कर सकता है। इतिहास गवाह है कि दमन से व्यापक असहमति को शायद ही कभी दबाया जा सका हो। जब भी सत्ताधीशों ने ताकत के बल पर जनभावनाओं का दमन किया, फौरी तौर पर भले ही वह दबता दिखता हो, लेकिन वास्तविकता ठीक इसके विपरीत होती है। भीतर–ही–भीतर आक्रोश सुलगता रहता है। कालांतर वह अधिक वेग से वापस लौटकर सत्ता में बदलाव लाता है। दुनिया में तमाम उदाहरण विभिन्न देशों में सामने आते हैं। वास्तव में ईरान का संकट एक एकीकृत धर्म आधारित सत्ता और खुलेपन की ओर बढ़ते समाज का टकराव है। विशेष रूप से सत्ता और युवा वर्ग के बीच खाई लगातार चौड़ी हुई है। ईरान के युवा दूसरे इस्लामिक व मध्यपूर्व के अन्य देशों में खुले समाज और विकास की नई ऊंचाइयों से प्रभावित हैं। वे अपने देश में ऐसा ही प्रगतिशील शासन देखने के आकांक्षी हैं। ये युवा गरिमामय जीवन, अधिक आर्थिक उन्नति के अवसर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, मौजूदा लोकतांत्रिक विश्व में सत्ता द्वारा संवाद के बजाय शक्ति पर निर्भरता, उसकी उस वैधता को ही कमजोर करती है, जिसे वह अपने हित में संरक्षित करना चाहती है। शासन द्वारा जनता की आवाजों को दबाने का उपक्रम अस्थायी शांति तो ला सकता है, लेकिन शासन के प्रति अविश्वास को बढ़ाता है और अलगाव की खाई को गहरा करता है। वहीं दूसरी ओर ईरान सरकार की दमनकारी नीतियों से वैश्विक समुदाय असहज महसूस कर रहा है। हालांकि, ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका के दुराग्रहों का शिकार रहा है, वे जब–तब ईरान सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों के बजाय भू–राजनीतिक हितों से ज्यादा प्रेरित रही है। ईरान की परमाणु नीति के चलते उस पर व्यापक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिससे धीरे–धीरे ईरान की आर्थिक स्थिति बदतर होती चली गई। फलस्वरूप महंगाई की मार से त्रस्त जनता सड़कों पर उतर आई। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव से स्थितियों में कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ है। लेकिन आम लोगों की जिंदगी ज्यादा कष्टकारी हो चली है। तेहरान के साथ भारत के कूटनीतिक व आर्थिक संबंध बेहतर रहे हैं, मौजूदा स्थिति में भारत को ईरान के साथ सावधानी के साथ संतुलित संबंध बनाये रखने होंगे। ईरान के विदेश मंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान बातचीत में इस नाजुक संतुलन की परीक्षा होगी। जिसे ईरान के आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

मोदी के हाथ में त्रिशूल और डमरू

गले में भगवा गमछा, माथे पर त्रिपुंड और हाथों में भगवान शिव की तरह त्रिशूल और डमरू पकड़े हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया अवतार सामने आया है। अलग–अलग विचारधारा और कार्यशैली के प्रधानमंत्री देश ने देखे हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसे प्रधानमंत्री को देश देख रहा है, जिनकी वक्त–वक्त पर बदलती वेशभूषा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता की याद दिलाती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी कोई भी काम अकारण नहीं करते। इस बार हिंदुत्व का जयघोष करने वाली मुद्रा उन्होंने सोमनाथ में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश् के लिए धारण की। इस उत्सव को श्भव्यश् बनाने में गुजरात की भाजपा सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि इसके गहरे राजनैतिक निहितार्थ भी हैं।एक हजार साल पहले1026 में सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला हुआ था। उसी याद में यह उत्सव मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था, जिसका उल्लेख ऋग्वेद में भी है। लोककथाओं के अनुसार यहीं श्रीकृष्ण ने देहत्याग किया था। यह ऐतिहासिक मंदिर अब भाजपा के लिए राजनैतिक महत्व का भी बन गया है।प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, श्यह उत्सव विनाश को याद करते हुए नहीं बल्कि आस्था, सांस्कृतिक आत्मसम्मान और पुनर्जन्म की भावना के सम्मान के रूप में मनाया जा रहा है।श दरअसल प्राचीन सोमनाथ मंदिर में कई गांवों का चढ़ावा आता था, जिससे यहां सोने, चांदी, बड़ी संख्या में मोतियों और अनमोल रत्नों समेत बड़ी धनसंपदा सदियों से जमा थी और इस वजह से विदेशी हमलावर इसे लूटना चाहते थे। महमूद गजनी ने 1026 में जब भारत पर एक और आक्रमण किया तो उस समय गुजरात में चालुक्य वंश के राजा भीम प्रथम का शासन था, महमूद गजनी ने तभी सोमनाथ पर पहला आक्रमण किया था। इसके बाद कई और शासकों और आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए और इसकी धन संपदा को लूटा। मध्ययुग का वह दौर ऐसा ही था, जिसमें राज्य और शक्ति बढ़ाने के लिए शासक खुलेआम लूटपाट करते थे। अभी अमेरिका इसी तरह के काम कर रहा है, बस इसमें लोकतंत्र का आवरण ओढ़ लिया है और सीधे–सीधे गैर धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया जा रहा है।खैर, सोमनाथ पर कम से कम 16 बार आक्रमण और देश के दूसरे हिंदू धर्मस्थानों पर हुए आक्रमण के बावजूद देश से न हिंदू धर्म खत्म हुआ, न हिंदुओं के अस्तित्व पर कोई खतरा आया। लेकिन मोदीराज में आस्था के पुनर्जन्म के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करके सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया गया। सोमनाथ पर भाजपा पहले भी सफल दांव खेल चुकी है। दिसंबर 1989 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने पहली बार अपने चुनावी घोषणापत्र में राम मंदिर (अयोध्या) निर्माण के मुद्दे को शामिल किया था। तब उसकी लोकसभा सीटें बढ़ीं, फिर 1991 में लाल कृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक अपनी रथ यात्रा शुरू की, जिसके बाद भारत में वही धार्मिक विभेद की खाई गहरी होनी शुरु हुई, जो भाजपा की सत्ता के लिए जरूरी थी। 1992 में बाबरी मस्जिद तोड़ी गई। फिर 1996 में भाजपा को केंद्र की सत्ता में आने का मौका पहली बार मिला। और अब नरेन्द्र मोदी के आने के बाद तो 12 सालों से भाजपा के पास सत्ता है। ध्यान रहे कि आडवाणी की रथयात्रा में गुजरात में नरेन्द्र मोदी को बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे मोदी ने सफलतापूर्वक निभाया।सवाल भाजपा को सत्ता में लाने का था, तो नरेन्द्र मोदी ने पूरी तैयारी से अपनी जिम्मेदारी निभाई। लेकिन अभी प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल संभालने के बाद मोदी लगातार अपने पद की गरिमा निभाने में नाकाम दिख रहे हैं। इंदौर में कई लोग दूषित पेयजल से मर गए, मोदी ने उफ तक नहीं की। दिल्ली से लेकर कई शहरों में हवा जानलेवा बनी हुई है। उन्नाव की पीड़िता इंसाफ के लिए लड़ती रही, मोदी चुपचाप देखते रहे। अभी अंकिता भंडारी मामले में लोगों ने आक्रोश न दिखाया होता तो भाजपा सरकार बेफिक्र बैठी रहती। उत्तरप्रदेश में लगातार महिला उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। एसआईआर में एक तरफ कई बीएलओ काम के बोझ से मर गए, तो दूसरी तरफ बुजुर्ग और गरीब मतदाता परेशान हो रहे हैं, मोदी को इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा। अरावली के पहाड़ काटने से लेकर मनरेगा खत्म करने जैसे बेसिरपैर के फैसले ले लिए गए। विपक्षी दलों को दुश्मन समझ कर उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। देश में महंगाई और बेरोजगारी संभल नहीं रही है। रूपया कितना गिर गया है, इस बारे में मोदी बात नहीं करते। ट्रंप हर दूसरे दिन मोदी और देश का अपमान कर रहे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ऊटपटांग तर्क देकर ट्रंप और मोदी के अच्छे रिश्तों की गवाही दे रहा है। गलवान का हमला और सैनिकों की शहादत भुलाई जा चुकी है और अब चीन के साथ व्यापार शुरु हो गया है। पहलगाम और दिल्ली के आतंकी हमलों पर क्या कार्रवाई हो रही है, इसकी कोई चर्चा नहीं होती। यानी मोदी चाहें तो उनके पास करने के लिए ढेरों काम हैं। उन्हें प्राथमिकताएं तय करने में मुश्किल होगी कि पहले किस काम को करें, किस गलती को दुरुस्त करें। लेकिन ये सब छोड़कर मोदी इस बात से खुश हैं कि उन्हें सोमनाथ में एक हजार सेंकंड्स का ओंकारनाद करने का सौभाग्य मिला।मतलब देश भी अब खुद को भाग्य के हवाले कर अनुलोम–विलोम शुरु कर दे, क्योंकि अकर्मण्यता ही अब देश का वर्तमान और भविष्य है। आजादी के बाद से अब तक सरकारों के काम करने का जो इतिहास था, वो भी मोदी मिटाने पर तुले हैं। उन्हें या तो एक हजार साल बाद के भारत की बात करना अच्छा लगता है, या एक हजार साल पहले के भारत की। आज जो है, उससे मोदी मुंह चुरा रहे हैं और जनता का ध्यान भटकाने के लिए पंडितों जैसी वेषभूषा में आ रहे हैं। मोदी को लगता है कि इस साल गुजरात के स्थानीय चुनाव, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और अगले साल फिर गुजरात और उप्र के चुनावों में इस तरह उन्हें धार्मिक कार्ड खेलने का मौका मिल जाएगा। पाठक ध्यान दें मोदी का फकीरी झोला चला गया है, उन्होंने त्रिशूल और डमरू उठा लिए हैं।

कैसे हल हो भारत में दूषित जल की समस्या?

विनीत नारायण

भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, आज दूषित जल के एक गंभीर संकट से जूझ रहा है। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से 2025–2026 में, नल के दूषित पानी से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और 26 शहरों में 34 मौतें हुईं। ये आंकड़े न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि एक बड़ी राष्ट्रीय समस्या की ओर इशारा करते हैं। भारत की प्रमुख नदियां, जैसे गंगा और यमुना, औद्योगिक अपशिष्ट, अनुपचारित सीवेज और कृषि अपवाह से बुरी तरह प्रदूषित हैं। विश्व जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है और लगभग 70 प्रतिशत भूजल स्रोत दूषित हैं। दूषित जल की समस्या भारत में बहुआयामी है। मुख्य कारणों में अनुपचारित सीवेज सबसे बड़ा है, जो नदियों और भूजल को प्रदूषित करता है। इसके अलावा, कृषि से निकलने वाले कीटनाशक और उर्वरक तथा उद्योगों से निकलने वाले रसायन, जैसे भारी धातु और विषाक्त पदार्थ जल स्रोतों को नष्ट कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, कपड़ा और चमड़ा उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट कई नदियों को प्रभावित कर रहा है। 163 मिलियन भारतीयों के पास सुरक्षित पेयजल की पहुंच नहीं है और 21 प्रतिशत संक्रामक रोग जल से संबंधित हैं। हाल ही में इंदौर और अन्य शहरों के घटनाक्रमों ने इस समस्या को और उजागर किया है। यह असंगति सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। पूरे देश में टाइफाइड जैसे रोग फैल रहे हैं, जो दूषित पानी से जुड़े हैं। आर्थिक रूप से, यह संकट उत्पादकता को प्रभावित करता है, क्योंकि बीमारियां कार्यबल को कमजोर करती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से, यह जैव विविधता को भी नुकसान पहुंचाता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है। सरकार की उदासीनता इस समस्या का एक प्रमुख कारण है। केंद्र सरकार पर आरोप है कि वह स्वच्छ जल और स्वच्छ हवा प्रदान करने में विफल रही है। विपक्ष के अनुसार मुख्य कारणों में कमी नियमों की है, जिनमें अत्यधिक निजीकरण, सरकारी भ्रष्टाचार और सामान्य उपेक्षा शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार चुनावी वादे जैसे 'हर घर जल' योजना लागू तो हुई, लेकिन गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। भ्रष्टाचार के कारण फंड का दुरुपयोग होता है और स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा अभी भी पुराना है। सीवेज और पेयजल लाइनों की मिश्रण जैसी समस्याएं आम हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, जल गुणवत्ता 2025–26 में एक प्रमुख चुनौती है लेकिन इस गंभीर चुनौती को कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) को स्थानांतरित करने की बजाय सरकार को अधिक सक्रिय होना चाहिए। यह उदासीनता न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है, बल्कि सामाजिक असमानता को भी बढ़ाती है, क्योंकि इससे गरीब तबके के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूषित जल की समस्या का समाधान संभव है, यदि बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाए। सबसे पहले, स्रोत पर प्रदूषण को रोकना जरूरी है। उद्योगों को अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित करने के लिए बाध्य किया जाए। कृषि में जैविक खेती को प्रोत्साहित करें, ताकि रसायनों का अपवाह कम हो। सीवेज उपचार को 100 प्रतिशत बनाना चाहिए, जो वर्तमान में अपर्याप्त है। आंकड़े बताते हैं कि पश्चिमी देशों के अनुभव काफी उपयोगी साबित हुए हैं। स्विट्जरलैंड में शहरी जल उपचार की गुणवत्ता सर्वोच्च है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वहां का नल का पानी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। वे अपशिष्ट जल को पुनर्चक्रित करते हैं, जो कई देशों में अपनाया जाता है। यूरोप में 'ब्लू रिवोल्यूशन' रणनीति कुशल उपयोग, अपशिष्ट कमी और पारिस्थितिक संतुलन पर जोर देती है। प्रबंधित एक्विफर रिचार्ज (एम.ए.आर.) जैसी विधियां अपनाई जाती हैं, जिसमें नदी तलों को समायोजित करना, बैंक फिल्ट्रेशन, सतही पानी का वितरण और रिचार्ज कुओं का उपयोग शामिल है। वहीं अमरीका और यूरोप में मेम्ब्रेन सैपरेशन टैक्नोलॉजी, सोलर वाटर डिसइंफैक्शन (एस.ओ.डी.आई.एस.) और सिरेमिक फिल्ट्रेशन जैसी तकनीकें आम हैं। यूरोपीय संघ में जल बचत पर जोर है, विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने के लिए। काऊंसिल ऑफ यूरोपियन बैंक ने 16 देशों में जल और स्वच्छता परियोजनाओं में 1.8 बिलियन यूरो का निवेश किया है। प्रकृति–आधारित समाधान (एन.बी.एस.) यूरोप में जल प्रबंधन में उपयोगी हैं, जैसे वैटलैंड्स और वन क्षेत्रों का उपयोग फिल्टर के रूप में किया जाना। भारत को पश्चिमी अनुभवों से सीखते हुए उनके सफल उपायों को अपनाना चाहिए। स्थानीय समुदायों को शामिल करने पर भी जोर दिया जाए, नवीनतम तकनीकी का नवाचार करने पर भी जोर देने की आवश्यकता है।

सरकारी तंत्र की पारदर्शिता बढ़ाए जाने की जरूरत है। सरकार राष्ट्रीय जल नीति को मजबूत करे, जिसमें जलवायु परिवर्तन को भी शामिल किया जाए, उदासीनता छोड़कर सक्रिय होना चाहिए, अन्यथा संकट और गहराएगा। स्वच्छ जल हर नागरिक का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

सिर्फ़ यादें रह गई

———————

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग – 25 अंतिम क़िस्त)

लेखिका –अतिया नूर

समीर अपने पेशे के प्रति समर्पित था। निःसंदेह इस बिजनेस में सीधे – सादे लोगों का कोई काम भी नहीं था। समीर का व्यक्तित्व बदलता चला गया। प्रकाश और प्रकाश के साथ रहने वालों की संगत ने समीर की बर्बादी के तमाम रास्ते खोल दिए।हमें तो बहुत बाद में पता चला कि प्रकाश ने समीर के पैसे के बदले उसे शराब ही नहीं बल्कि नशीले इंजेक्शन का भी आदी बना दिया था।उसकी चढ़ी – चढ़ी आंखों का राज़ हम पर अब खुला था।ब्याज पर लिए पैसों से समीर का बिजनेस कुछ दिन तो सही चला लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं था। कभी गाड़ी की क़िस्ति भरना , तो कभी चालान भरना, कभी गाड़ी का लड़भिड़ जाना, कलपुर्जे की मरम्मत करवाना, इन सब खर्चों के बाद प्रकाश के ब्याज के पैसे भरना। दो चार – साल तो किसी तरह घिसटते – घिसटते निकल गए लेकिन प्रकाश के पैसे न चुका पाने के कारण प्रकाश ने गाड़ियां खिंचवा लीं। समीर का सब कुछ बर्बाद हो चुका था।उसकी आशाएं, उसके सपने, उसकी महत्वाकांक्षाएं, नेहा को लेकर बनाए गए सपनों के महल, सब कुछ....।

वह बुरी तरह से टूट गया था, नशे और उसकी परिस्थितियों ने उसकी हालत अर्धविक्षिप्त जैसी कर दी थी।अपना ग़म भुलाने के लिए वह बुरी तरह नशा करने लगा था, घर तो उसके पास था ही नहीं, वह नशा करके कभी सड़क पर तो कभी उससे हमदर्दी रखने वाले, अकेले रहने वाले दोस्तों के घर पड़ा रहता। मेरे फ़ोन करने पर कभी कभी तो उससे बात हो जाती लेकिन जब वह ज़्यादा नशे की हालत में होता तो उसके मित्रों से उसके बारे में पता चलता। मैं असहाय थी, शेखर को कुछ सुनना नहीं था, सो उन्होंने कुछ नहीं सुना।

समीर अब छब्बीस साल का युवक था। जिसे हमसफ़र के सहारे की ज़रूरत थी मगर उसके पास कोई सहारा नहीं था। न जाने कैसी तक़दीर लेकर पैदा हुआ था मेरा समीर. . ... ।

उसका बिजनेस क्या ख़राब हुआ, नेहा ने भी उससे मुंह मोड़ लिया । उसके घरवालों ने नेहा की शादी कहीं और तय कर दी...

समीर को यह ख़बर मिल गई थी, वह यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सका और अपना मानसिक संतुलन खो बैठा। कभी वह चीखने लगता, कभी फूट फूटकर रोने, अपने बाल खींचने, तो कभी बहुत उग्र हो जाता। जब उसकी हालत बहुत बिगड़ गई तो उसके मित्रों ने उसे फिर से उसके घर पहुंचा दिया। जब मैने उसे देखा तो मेरी चीख निकल गई,गंदा जिस्म, बिखरे बाल, बढ़े हुए नाख़ून। वह ख़ूबसूरत नौजवान अधेड़ और बेहद बीमार नज़र आने लगा था । समीर की ऐसी हालत देख मेरा ख़ुद को संभालना मुश्किल हो गया लेकिन इस परिस्थिति का सामना मुझको ही करना था सो मैंने हिम्मत से काम लेना शुरू किया। मैंने किसी तरह उसे साफ़ – सुथरा कर उसका मनपसंद खाना खिलाया। उससे बात की। शायद बहुत दिन के बाद किसी ने उससे प्यार से बात की थी।याद आता है उसके ज़ख्मों पर मेरा हाथ रखना और उसका छोटे बच्चे की तरह फूट फूटकर रोना। मैं बहुत देर तक उसको समझाती रही। मैं उसके बालों में तेल लगाती रही, वह सो गया, मैं उसे निहारती रही और रोती रही, रोती रही।

मैंने शेखर से बहुत मिन्नत की तो उन्होंने नशामुक्ति केंद्र वालों को घर पर बुलाया, वह सब समीर को सोते में उठाकर अस्पताल ले गए। कुछ दिन वहां रहने और सुधार होने के बाद हम समीर को घर ले आए। समीर को यह बात कि शेखर ने उसे विश्वास में न लेकर उसको दूसरों से उठवाकर अस्पताल भेजा है बहुत दुख दे गई। उसने इसे अपना अपमान समझ लिया और फिर विद्रोह पर उतर आया। हालात ने उसे पागल कर दिया था। उसने अब पहले से ज़्यादा पीना शुरू कर दिया था, शायद अब वह होश में आना भी नहीं चाहता था क्यूंकि वह दुखों को सहन करने की शक्ति खो बैठा था। वह शराब पीकर अपने ग़म भूल जाना चाहता था। उसके जागने पर उसको चीखते, चिल्लाते, रोते और तोड़ फोड़ करते देखना हमारे लिए भी बहुत दुखदाई हो गया था।

अक्सर वह अपना सर दीवार से टकरा – टकरा कर ज़ख़्मी कर लेता था। हम सभी उस दुख के साए में जी रहे थे, जहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं नज़र आ रहा था। रास्ता निकला भी तो यूं कि वह हम सबको छोड़ कर दुनिया से ही चला गया।

समीर का छब्बीसवां जन्मदिन नज़दीक था। उसके किसी दोस्त ने फ़ोन करके उसे बताया कि –नेहा की शादी की डेट फिक्स हो गई है और समीर की सारी दुनिया उजड़ गई। उस दिन उसने नींद की गोलियों का पूरा पत्ता खा लिया और, नशे के जितने इंजेक्शन थे खुद को लगाकर अपने कमरे में सोता रहा। सुबह उसको सोता देख मैंने उसके कमरे में सबको जाने से मना कर दिया, मुझे लगा कि – शायद समीर को गहरी नींद आई है, अच्छा है ख़ूब जी भर कर सो ले, सोने से उसकी तबियत हल्की हो जाएगी, लेकिन समीर जब शाम तक नहीं उठा तो शेखर को लगा कि समीर ने नशा किया है। उन्होंने गुस्से में डंडा उठाया और समीर को पीटना शुरू कर दिया। उसकी आंखें कुछ देर को खुलीं , लरज़ते होंटो से उसने नेहा को पुकारा। मैं उसके क़रीब गई तो उसने कहा – वह देखिए मां – नेहा आई है...

मुझे उसकी परछाईं नज़र आ रही है,मम्मा बुलाइए नेहा को प्लीज़...

शेखर ने उसे फिर से झकझोर दिया, समीर के

होंठों पर मुस्कुराहट थी, उसने शेखर की तरफ़ देखा भी नहीं, मुझसे उसने फिर वही शिकायत की – मैं मार खाने के लिए ही पैदा हुआ था न मम्मा! फिर उसकी आवाज़ बंद हो गई लेकिन उसकी आंखें खुली थीं और एकटक मुझे देख रही थीं, मुझसे प्रश्न पर प्रश्न कर रही थीं, उसकी आवाज़ ही नहीं बल्कि नब्ज़ भी थम चुकी थी, मुझसे शिकायत करते करते वह थक गया था और हमेशा के लिए मेरे कानों में अपनी आवाज़ें, अपने प्रश्न छोड़ गया था, मां. ...

मां

मम्मा

आज भी तो गूंज रही हैं वह आवाज़ें...

उसके छब्बीसवें जन्मदिन पर नेहा की घर से उसकी डोली उठी और मेरे घर से समीर की अर्थी निकली, मेरा समीर हमेशा – हमेशा के लिए दुनिया से चला गया। समीर को मार दिया था हमारी ग़लत परवरिश ने, उसकी नादानियों ने, उसकी उच्च महत्वाकांक्षाओं ने, प्रकाश ने, उसे अपना बनाकर बर्बाद करने वालों ने, समय ने, और शायद उसके मुकद्दर ने.. ...

समीर हमें रोता हुआ छोड़ कर चला गया और सिर्फ़ यादें रह गईं.....।

प्रयागराज,उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

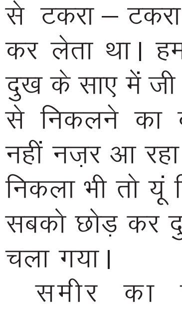

दिल होता ज्यों आरसी, टूटे निकले आह।
निर्बल दुर्बल साथ ले, चलो प्रेम की राह।।
चलो प्रेम की राह, बाँटकर सुख - दुख अपना।
समरसता का भाव, इसी का रखना सपना।।
कहती रचना आज, प्यार से सबसे हिल- मिल।
करना ऐसा काम, नहीं टूटे यह दिल।

शुचिता को मन में रखो, चलो प्रेम की राह।
तृष्णा विचलित जब करे, रखते प्रभु की चाह।
रखते प्रभु की चाह, पार भवसागर करते।
याद करें जब भक्त, गरीबों का दुख हरते।।
कहती रचना आज, आंतरिक मिलती मुदिता।
जिसके हिय में ईश, वहीं पर होती शुचिता।।

प्राइम वीडियो की नई तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म चीकाटीलो का रोमांचक ट्रेलर रिलीज

भारत के सबसे लोकप्रिय मनोरंजन प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने आज एक इमोशनल तेलुगु क्राइम सस्पेंस ड्रामा, चीकाटीलो का एक जबरदस्त ट्रेलर लॉन्च किया। तेजी से विकसित हो रहे हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित इस कहानी में संध्या की यात्रा दिखाई गई है, जो एक ट्रू–क्राइम पॉडकास्टर है। शोभिता ध ुलिपाला द्वारा निभाया गया यह किरदार अपने पॉडकास्ट के जरिए बीस साल से निष्क्रिय पड़े एक सीरियल किलर के रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश करती है। फिल्म का निर्देशन शरण कोपिशेट्टी ने किया है और इसका निर्माण डी. सुरेश बाबू ने सुरेश प्रोडक्शंस प्रा. लि. के बैनर तले किया है। इसकी दमदार कहानी चंद्र पेम्मराजू और शरण कोपिशेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोभिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोंडा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, वहीं चौतन्य विश्वलक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। तेलुगु फिल्म 'चीकाटीलो' का प्रीमियर 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से किया जाएगा। चीकाटीलो का ट्रेलर हैदराबाद की अंधेरी दुनिया की एक रोमांचक झलक पेश करता है, जहां संध्याकृएक क्रिमिनोलॉजी ग्रेजुएट और ट्रू–क्राइम पॉडकास्टर हैं जो खुद को बिल्ली–और–चूहे के खतरनाक खेल में फंसा हुआ पाती है। एक चौंकाने वाली हत्या बीते अपराधों की कड़ी उजागर कर देती है, जिससे सच और इंसाफ की तलाश और भी तनावपूर्ण हो जाती है। अपने पॉडकास्ट को एक इन्वेस्टिगेशन टूल रूप में इस्तेमाल करते हुए संध्या एक निर्दयी हत्यारे को चुनौती देती है और उसे सामने लाने की कोशिश करती है। जैसे–जैसे कहानी का तनाव बढ़ता है, घटनाक्रम एक सिहरन पैदा कर देने वाले खुलासे की ओर बढ़ता है। लेकिन सवाल यही है क्या सच सामने आएगा, या फिर संध्या खुद उस हत्यारे का अगला शिकार बन जाएगी? सस्पेंस और भावनाओं से भरपूर यह ट्रेलर एक ऐसी दिल–दहला देने वाली खोज की नींव रखता है, जो 23 जनवरी से, सिर्फ प्राइम वीडियो पर शुरू होगी। चीकाटीलो के निर्देशक और सह–लेखक शरण कोपिशेट्टी ने साझा किया, "चीकाटीलो का निर्देशन मेरे लिए एक बेहद संतोषजनक यात्रा रही हैं एक ऐसा अनुभव जिसने मुझे एक साधारण–सी दिखने वाली अपराध कहानी के पीछे छिपे इंसानी और अंधेरे पहलुओं को समझने और दिखाने का मौका दिया। अपने मूल में यह फिल्म सिर्फ एक क्राइम–सस्पेंस नहीं है, बल्कि यह हिम्मत, खामोशी और ताकत के खिलाफ संघर्ष, और इंसाफ को सामने लाने के साहस की कहानी है। अब जब ट्रेलर रिलीज हो चुका है, तो दर्शक उस तनाव और रहस्य से भरी दुनिया की झलक देख सकते हैं, जिसे हमने बनाया है। प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी करना हमारे लिए बेहद खास और सार्थक रहा है । इसने हमें इस सोच को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर दिया, जहां हम सभी साहसी, सच्ची और जुड़ाव पैदा करने वाली

> ❝ जैसे-जैसे कहानी का तनाव बढ़ता है, घटनाक्रम एक सिहरन पैदा कर देने वाले खुलासे की ओर बढ़ता है। लेकिन सवाल यही है क्या सच सामने आएगा, या फिर संध्या खुद उस हत्यारे का अगला शिकार बन जाएगी?

कहानियों के प्रति एक साझा प्रतिबद्धता निभाई है। मुझे बेसब्री से इंतजार है कि दर्शक 23 जनवरी को, कि हिस्सा बनें।"चीकाटीलो में संध्या की मुख्य भूमिका निभा रहीं शोभिता धुलिपाला ने कहा, "संध्या का किरदार निभाना मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा। वह एक आत्मविश्वासी, बेबाक युवा महिला है, जो हर तरह के विरोध के बावजूद अपने विश्वासों पर मजबूती से डटी रहती है। उसके फैसले एक खास तरह की जिद से प्रेरित हैं, जिसकी अपनी एक अलग कहानी है। हैदराबाद की गलियों और दूसरी तेलुगु जगहों से जुड़े किरदार को निभाना, और मेरा खुद का सांस्कृतिक संदर्भ भी वैसा ही होने की वजह से, इस किरदार और मेरी अपनी अभिव्यक्ति के बीच तालमेल बेहद सहज और पूरी तरह आनंददायक रहा। इस बेहतरीन अनुभव के लिए मैं हमारी शानदार कास्ट और क्रू की बेहद आभारी हूं हर किसी ने हर दिन पूरी मेहनत से काम किया। प्राइम ओरिजिनल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना कई मायनों में खास होता है। मेड इन हेवन से लेकर अब चीकाटीलो तक, यह एक सोच–समझकर तय किया गया और प्रेरणादायक सफर रहा है जहां हमारी साझा प्रगति, मनोरंजक कहानी कहने के प्रति प्रतिबद्धता और हर बार कुछ नया करने की चाह एक दुर्लभ खुशी है। मुझे उम्मीद है कि जब यह फिल्म 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से प्रीमियर होगी, तो दर्शक संध्या के रूप में मेरा एक अलग रूप देखेंगे।

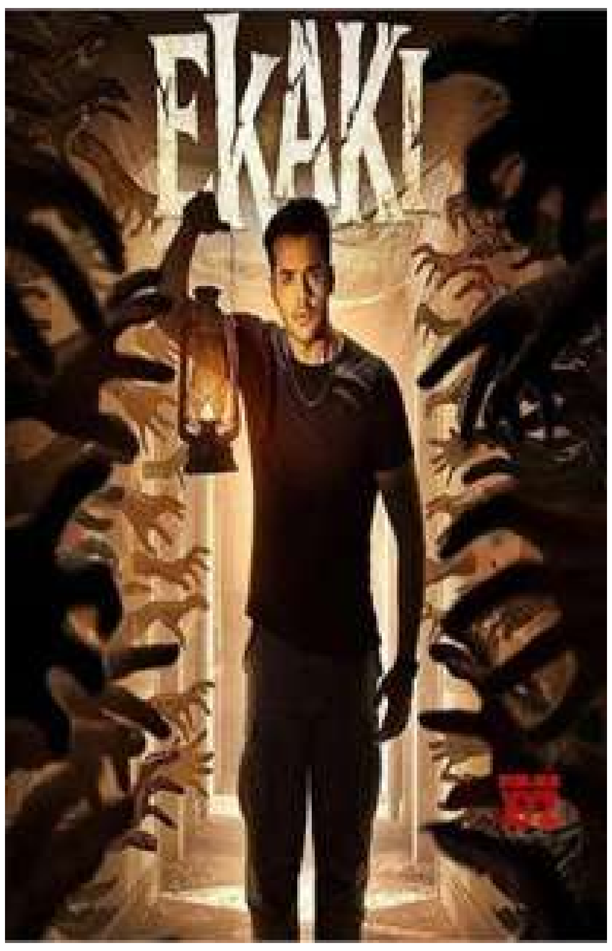

आशीष चंचलानी की 'एकाकी' को मिला खास सम्मान, रॉकिंग स्टार यश ने दी बधाई

आशीष चंचलानी देश के सबसे बड़े डिजिटल एंटरटेनर्स में से एक हैं। एक सफल परफॉर्मर के रूप में अपनी पहचान बनाने के बाद, आशीष ने अब अपने करियर में एक नया क्रिएटिव कदम उठाया है। उन्होंने सीरीज 'एकाकी' के जरिए डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू किया है। हॉरर–कॉमेडी थ्रिलर 'एकाकी' ने इंटरनेट पर जबरदस्त चर्चा बटोरी है और दर्शकों के साथ–साथ सेलेब्रिटीज और फिल्ममेकर्स से भी खूब सराहना मिल रही है।'एकाकी' की सफलता के बीच आशीष को हाल ही में एक और खास बधाई संदेश मिला। इस बार उन्हें शुभकामनाएं दीं रॉकिंग स्टार यश ने। आशीष ने एक्स (पहले ट्विटर) पर यश को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनकी आने वाली फिल्म के लिए उत्साह जताया। इसके जवाब में यश ने 'एकाकी' की कामयाबी पर आशीष को बधाई दी, जो उनके सफर का एक यादगार पल बन गया। आशीष ने यश को लिखा, "एक लीजेंड को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं /TheNameIsYash] c,l... बहुत एक्साइटेड हूँ (और भी ज्यादा मस्कुल्ड)"मशहूर सेलेब्रिटीज के सरप्राइज कैमियो, दिलचस्प कहानी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ यह शो हर नए एपिसोड के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहा है। 'एकाकी' में आशीष चंचलानी ने कई जिम्मेदारियां निभाई हैं कृ वे इसके लेखक, निर्देशक, निर्माता और लीड एक्टर भी हैं, जो उनकी बड़ी सोच और क्रिएटिव विजन को दर्शाता है। इस सीरीज में उनकी करीबी टीम भी उनके साथ जुड़ी है। कुणाल छाबरिया को–प्रोड्यूसर हैं, आकाश दोडेजा पैरेलल लीड की भूमिका में हैं, जशन सिरवानी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं और तनिष सिरवानी शो की क्रिएटिव दिशा संभाल रहे हैं। इसका स्क्रीनप्ले ग्रिशिम नवानी के साथ मिलकर लिखा गया है, जबकि रितेश साधवानी लाइन प्रोड्यूसर के तौर पर प्रोडक्शन को सुचारू रूप से संभाल रहे हैं। नई, दमदार और अलग तरह की कहानी पेश करने वाला 'एकाकी' का पहला एपिसोड 27 नवंबर 2025 को और लेटेस्ट एपिसोड 5 जनवरी 2026 को यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है।

द ताज स्टोरीः शोर नहीं, कंटेंट का कमाल– 6 हफ्तों की बॉक्स ऑफिस जीत

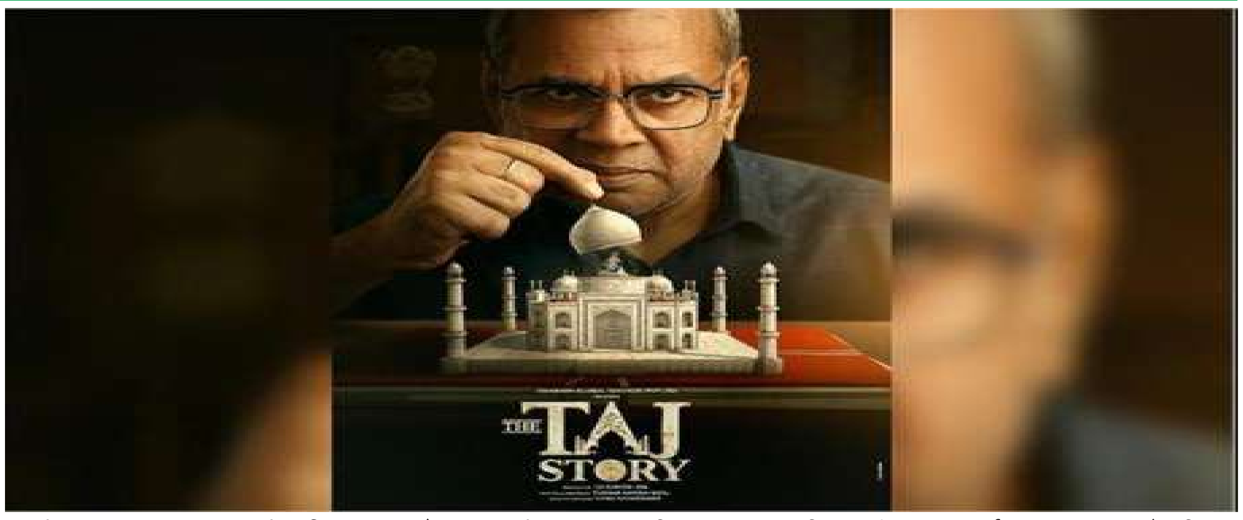

फिल्म द ताज स्टोरी हाल के समय की सबसे चर्चित और व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। इस फिल्म ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया, बल्कि भारत और विदेशों में दर्शकों के दिल भी जीत लिए। मात्र 11 करोड़ के सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने 30 करोड़ से अधिक का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया और लगातार छह मजबूत सप्ताहों तक सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर स्वयं को एक बड़ी हिट के रूप में स्थापित किया। द ताज स्टोरी को खास बनाता है इसका साहसी और प्रभावशाली कथानक, जो ताजमहल से जुड़े वास्तविक और अब तक अनकहे सच को सामने लाता है। यह विषय पीढ़ियों से लोगों को आकर्षित करता रहा है, लेकिन इसे इतनी गहराई, संवेदनशीलता और सिनेमाई ईमानदारी के साथ बहुत कम फिल्मों ने प्रस्तुत किया है। दर्शकों ने इस नए दृष्टिकोण को खुले दिल से स्वीकार किया और फिल्म की सच्चाई, साहस और प्रामाणिकता की जमकर सराहना की। बाहुबली द एपिक, दे दे प्यार दे 2, हक और मस्ती जैसी बड़ी और चर्चित फिल्मों के साथ और बाद में रिलीज होने के बावजूद, द ताज स्टोरी ने न केवल अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी, बल्कि छह हफ्तों तक अपनी दमदार थिएटर रन जारी रखते हुए सभी अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। फिल्म की निरंतर बॉक्स ऑफिस सफलता यह साबित करती है कि सशक्त कंटेंट और ईमानदार कहानी बड़े बजट और भव्यता पर भारी पड़ सकती है। फिल्म की एक बड़ी खासियत है परेश रावल का सशक्त और प्रभावशाली अभिनय, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने उनके हालिया करियर के सबसे दमदार प्रदर्शनों में से एक बताया है। उनके अभिनय ने कहानी को गहराई और भावनात्मक वजन दिया, जिससे ताजमहल की सच्चाई और अधिक प्रभावशाली ढंग से दर्शकों तक पहुँची। आलोचनात्मक रूप से सराही गई और व्यावसायिक रूप से सफल, द ताज स्टोरी को एक पूरी तरह से योग्य सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इसकी पटकथा, शानदार निर्देशन, अभिनय और विषय की प्रासंगिकता की हर स्तर पर प्रशंसा हुई है। छह सप्ताह तक दर्शकों की रुचि बनाए रखना फिल्म की मजबूत वर्ड–ऑफ–माउथ लोकप्रियता को और भी मजबूत करता है। इस फिल्म का निर्माण सीए सुरेश झा ने किया है, जिनकी दूरदर्शिता ने इस सशक्त कहानी को बड़े पर्दे तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिल्म का लेखन और निर्देशन तुषार अमरीश गोयल ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया है, जिनकी स्पष्ट सोच और निडर प्रस्तुति को व्यापक सराहना मिली है। वहीं क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेशाम ने अपनी रचनात्मक दृष्टि से फिल्म को भावनात्मक और सिनेमाई रूप से मजबूती प्रदान की है। छह हफ्तों की सफल बॉक्स ऑफिस यात्रा, शानदार कलेक्शन और लंबे समय तक रहने वाले सांस्कृतिक प्रभाव के साथ, द ताज स्टोरी आज एक ऐसी सार्थक फिल्म के रूप में खड़ी है जो सच कहने का साहस रखती है–और उसी साहस के लिए दर्शकों द्वारा भरपूर सम्मान और समर्थन प्राप्त करती है।

आमिर खान या सुनील ग्रोवर? आमिर खान प्रोडक्शंस का मजेदार वीडियो देख वीर दास भी हो गए कन्फ्यूज

कई हिट फिल्मों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के बाद, देश के बड़े प्रोडक्शन हाउस आमिर खान प्रोडक्शंस अब हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस के साथ एक और मजेदार कहानी बड़े पर्दे पर ला रहा है। यह आने वाली स्पाई–कॉमेडी फिल्म अभिनेता–कॉमेडियन वीर दास को लीड रोल में पेश करती है और खास बात यह है कि यह उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी यह जानने को बेताब हैं कि यह नया एंटरटेनर क्या धमाल मचाने वाला है। फिल्म के ट्रेलर और गानों ने जबरदस्त चर्चा बना दी है, जिससे इस बैनर की एक और हिट को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं। रिलीज के करीब आते ही आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें आमिर खान और वीर दास नजर आए। इस वीडियो में सरप्राइज एंट्री किसी और की नहीं बल्कि अभिनेता–कॉमेडियन सुनील ग्रोवर की है। सुनील ग्रोवर अपनी मजेदार मिमिक्री से सबको हँसने पर मजबूर कर देते हैं, जहां वह आमिर खान की नकल करते हुए न सिर्फ उनके हाव–भाव बल्कि उनके आउटफिट तक को बिल्कुल सही तरीके से कॉपी करते हैं। उनकी परफेक्ट नकल की वजह से वीर दास और आमिर खान के साथ उनकी बातचीत ठहाकों से भर जाती है। यह वीडियो बेहद मजेदार है और फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा देता है। आमिर खान प्रोडक्शंस ने लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी असरदार और अलग सोच वाली फिल्मों के साथ हमेशा नए स्टैंडर्ड सेट किए हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए यह बैनर हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस के लिए एक बार फिर मशहूर स्टैंड–अप कॉमेडियन और अभिनेता वीर दास के साथ जुड़ रहा है। अपनी दुनियाभर में पसंद की जाने वाली कॉमेडी स्पेशल्स और गो गोआ गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी यादगार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले वीर दास की यह आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरी फिल्म है, जिससे यह प्रोजेक्ट बैनर की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक बन गया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं और यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जूनियर कृष याद है? एक्टिंग छोड़ बने नामी सर्जन, ऋतिक भी रह गए हैरान

2006 में आई सुपरहीरो फिल्म 'कृष' में ऋतिक रोशन के बचपन का किरदार निभाने वाला चाइल्ड आर्टिस्ट मिकी धमेजानी अब फिल्मों से दूर अपनी नई पहचान बना चुके हैं। मिकी ने एक्टिंग छोड़कर डॉक्टर बनने का रास्ता चुना और अब वे नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हैं। मिकी धमेजानी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्मों से की थी। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान 2006 में आई फिल्म 'कृष' में जूनियर कृष का किरदार निभाने के बाद मिली। उस समय उनके अभिनय और लुक ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद मिकी ने कई फिल्मों में काम किया, जैसे 'ईट प्रे लव' और शाहिद कपूर की डेब्यू फिल्म 'इश्क विश्क'। हालांकि, मिकी ने बाद में एक्टिंग छोड़ दी और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नवी मुंबई के एमजीएम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज से डठठै पूरी की और फिर मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से आगे की पढ़ाई की। अब मिकी ने नेत्र विशेषज्ञ के रूप में अपने पेशे में नाम कमाया है। हाल ही में मिकी ने ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दोनों नजर आए। इस वीडियो में ऋतिक ने मिकी से कहा मुझे नहीं पता कि मैं तुमसे कैसे रिलेट करूं। तुम अब डॉक्टर बन गए हो। यह बहुत ही शानदार है। मैं जल्दी ही तुम्हारे पास आ रहा हूं। फैंस ने भी इस वीडियो पर जमकर रिएक्शन दिया। कई लोग हैरान रह गए कि वही जूनियर कृष अब डॉक्टर बन चुके हैं, जबकि कुछ ने दोनों की बॉन्डिंग की तारीफ की। अब मिकी लोगों की आंखों की जांच और इलाज करते हैं। उनके नए पेशे ने उन्हें बहुत सम्मान दिलाया है। मिकी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनके एक्टिंग के दिनों से मिली सीख ने उन्हें डॉक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। जूनियर कृष मिकी धमेजानी अब एक्टिंग छोड़कर सफल डॉक्टर बन चुके हैं और अपने मरीजों की जिंदगी में खुशियां लाने का काम कर रहे हैं। उनके इस बदलाव ने ना केवल ऋतिक रोशन को हैरान किया, बल्कि फैंस का दिल भी जीत लिया।

डेंगू में फटाफट रिकवरी के लिए इन फूड्स को डाइट में करें शामिल, दूर होगी कमजोरी

कई बार डेंगू जानलेवा बीमारी साबित होती है। इस बीमारी के वजन तेजी से घट जाता है। ऐसे में आप अपना वेट मेनटेन रखने के लिए कुछ आसान टिप्स अपना सकते हैं। इन टिप्स को फॉलो कर आप जल्द डेंगू जैसी बीमारी से रिकवर हो जाएंगे।

डेंगू बीमारी मच्छर के काटने से होती है। वहीं यह बीमारी कई बार जानलेवा भी साबित हो सकती है। वहीं डेंगू के लक्षणों को पूरी तरह से ठीक होने में काफी समय लगता है। हांलाकि दवाओं के जरिए इस बीमारी को कंट्रोल किया जा सकता है। इस बीमारी से शरीर में कई तरह की गंभीर समस्याएं हो जाती हैं। इनमें से एक समस्या है कि इस बीमारी के बाद वेट कम होने लगता है। क्योंकि डेंगू के दौरान शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। जिसके कारण तेजी से वजन घटने लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेंगू के बाद रिकवरी और हेल्दी वजन को मेनटेन रखने के आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे मेनटेन करें वेट

इस बीमारी के बाद वजन को मेनटेन करने के लिए डाइट में हेल्दी फैट्स जैसे पीनट बटर और एवोकाडो जैसी चीजें शामिल करें। इसके अलावा प्रोटीन रिच फूड्स को भी अपनी डाइट में शामिल करें। रोजाना वॉक करें, क्योंकि ऐसा करने से आपकी भूख बढ़ेगी। तनाव न लें। इस तरह से भी आप हेल्दी वेट मेनटेन कर पाएंगे। इसके साथ ही एक ही समय में नाश्ता, लंच और डिनर करें। इससे आपका मेटाबॉलिज्म बेहतर होगा।

जानिए कैसे करें रिकवरी

डेंगू बीमारी से जल्दी रिकवरी के लिए केला, चावल और सूखे मेवे का सेवन करें। काजू, मूंगफली, किशमिश और बादाम को अपनी डाइट में शामिल करें। डाइट में पीनट बटर को शामिल करने से आप वेट मेनटेन कर पाएंगे। इसके अलावा डाइट में केले को शामिल करें। क्योंकि केले में कार्ब्स, कैलोरीज और खनिज पदार्थ शामिल होते हैं। जिससे शरीर को एनर्जी मिलती है। हेल्दी वेट को मेनटन करने के लिए अंडे को अपनी डाइट में शामिल करें। क्योंकि अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाई जाती है।

आंखों के लिए वरदान हैं ये सूपरफूड्स, रोज खाने से तेज होगी आई साइड

बिजी लाइफस्टाइल के चलते आजकल लोग ज्यादातर समय टीवी, लैपटॉप जैसे गैजेट्स पर बिता रहे हैं। इन सब चीजों पर ज्यादा समय बिताने के कारण आंखों पर गलत असर हो रहा है। इसके अलावा फास्टफूड्स, सैचुरेटेड फैट, डिब्बाबंद जैसी चीजें भी आंखों की रोशनी कमजोर कर रही हैं। इन सब आदतों के चलते छोटी उम्र में ही बच्चों से लेकर बड़ों को चश्मा लग जाता है। हालांकि आप अपनी खान–पान की आदतों में कुछ बदलाव करके आंखों पर लगे चश्मे से छुटकारा पा सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे सूपरफूड्स बताते हैं जो आपकी आंखों की रोशनी तेज करेंगे। आइए जानते हैं...

हरी पत्तेदार सब्जियां

इन सब्जियों में ल्यूटिन और जेक्सांथिन मौजूद होते हैं। यह दोनों पोषक तत्व आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में हरी पत्तेदार सब्जियों के तौर पर आप पालक, मेथी, बथुआ और सरसों के साग को सर्दियों के इस मौसम में अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गाजर

इस मौसम में गाजर भी खूब आती है। गाजर का सेवन करके आप आंखों को रोशनी बढ़ा सकते हैं। यह विटामिन–ए का बहुत अच्छा स्त्रोत मानी जाती है। नियमित तौर पर इसका सेवन करने से आप अपनी आंखों पर लगा चश्मा उतार सकते हैं।

ओमेगा–3 फैटी एसिड

मछली ओमेगा –3 फैटी एसिड का अच्छा स्त्रोत मानी जाती है। ऐसे में यदि आप नॉन वेज खा लेते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल करके आंखों को हेल्दी बना सकते हैं।

खट्टे फल

नींबू, संतरे, मौसमी, आंवला, पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स की तरह होते हैं। इनका सेवन करने से आंखों से संबंधित बीमारियों का खतरा कम होता है।

बादाम

इसमें विटामिन–ई काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए यह बहुत ही लाभकारी माने जाते हैं। इसका सेवन करने से मैक्यूलर डिजनरेशन (रेटिना संबंधी बीमारी) का खतरा भी कम होता है।

मछली

यह भी आंखों के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं। यदि आप नॉन वेजिटेरियन चीजें खा लेते हैं तो टूना, सैल्मन, छोटी समुद्र मछली, ट्राउट, सॉर्डिन और हिलसा को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

जामुन

यह विटामिन–सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह मौसमी फल स्वाद में भी कापी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी आंखे कमजोर न हो तो आप जामुन को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

विटामिन-सी से भरपूर किन्नू दूर करेगा ये समस्याएं, जानें 5 फायदे

सर्दियों में कई सारे मौसमी फल आते हैं उन्हीं मौसमी फलों में से एक है किन्नू। किन्नू एक ऐसा मीठा और पोषक तत्वों से भरपूर फल है जो सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी होता है। इसमें विटामिन–सी, एंटीऑक्सीडेंट्स, मैग्नीशियम, ग्लूकोज, फ्रुकटोज, सुक्रोज और कार्ब्स पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि सर्दियों में किन्नू खाने से क्या–क्या फायदे होंगे...

विटामिन–सी का अच्छा स्त्रोत

किन्नू में विटामिन–सी मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, स्किन अच्छी रहती है और यह प्लांट बेस्ड फूड्स माना जाता है जो कि आयरन को अब्जॉर्ब करने में भी मदद करता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

इसमें डाइटरी फाइबर मौजूद होता है जो पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करता है। किन्नू खान से कब्ज दूर होती है और इसका सेवन करने से पाचन भी मजबूत बनता है।

पोटेशियम का नैचुरल सोर्स

किन्नू में पौटेशियम काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और फ्लूयड को बैलेंस करने में मदद मिलती है। इसे खाने से नर्व फंक्शन भी बेहतर होता है और मांसपेशियां अच्छी तरह से कार्य करती हैं।

नैचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स

किन्नू में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, क्रोनिक डिजीज का खतरा कम होता है। इसके अलावा इसका सेवन करने से शरीर भी स्वस्थ रहता है।

हाइड्रेशन का अच्छा स्त्रोत

किन्नू में अच्छी मात्रा में पानी की मात्रा पाई जाती है ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और बॉडी अच्छे से कार्य करती है। यह त्वचा को साफ और मॉइश्चराइज्ड रखने में मदद करता है।

कम बजट में भी कर सकते हैं वियतनाम की सैर, इन जगहों को जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण–पूर्वी एशिया में स्थित वियतनाम देश काफी ज्यादा खूबसूरत है। ऐसे में आप यहां पर आसानी से घूमने का प्लान बना सकते हैं। वियतनाम में घूमने की इतनी बेहतरीन और खूबसूरत जगहें हैं। जो आपकी ट्रिप को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं।

गूगल पर लोग सबसे ज्यादा खाने से लेकर घूमने तक के बारे में सर्च करते हैं। वहीं घूमने के शौकीन लोग समय मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। वहीं इस साल भारत की कुछ जगहों के साथ–साथ बाहर के कुछ देशों ने भी घूमने की टॉप 10 जगहों में अपनी जगह बनाई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस लिस्ट में सबसे टॉप पर कौन सा नाम रहा। ऐसे मे अगर आपका जवाब नहीं है, तो बता दें कि इस लिस्ट में वियतनाम टॉप पर रहा। दक्षिण–पूर्वी एशिया में स्थित वियतनाम देश काफी ज्यादा खूबसूरत है। ऐसे में आप यहां पर आसानी से घूमने का प्लान बना सकते हैं। वियतनाम में घूमने की इतनी बेहतरीन और खूबसूरत जगहें हैं। जो आपकी ट्रिप को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी वियतनाम घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वियतनाम की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं।

हा लॉन्ग बे

वियतनाम की खूबसूरती का सबसे बेहतरीन नजारा हा लॉन्ग बे में देखने को मिल सकता है। यह जगह यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में भी शामिल है। हा लॉन्ग बे से आपको बेहद खूबसूरत समुद्री नजारा देखने को मिलता है। यहां पर आप बोटिंग का आनंद भी उठा सकते हैं। आप बोटिंग के जरिए इस खूबसूरत जगह का बेहतरीन नजारा देख सकते हैं। इसके अलावा यहां पर कई गुफाएं भी हैं। ऐसे में वियतनाम घूमने के दौरान आपको अपनी ट्रैवल लिस्ट में इन जगह को जरूर शामिल करना चाहिए।

सापा कंट्रीसाइड

वियतनाम की सुंदरता को सुकून से निहारने के लिए सापा कंट्रीसाइड भी एक अच्छा ऑप्शन है। शहर के शोर–शराबे से दूर आप इस जगह पर प्रकृति का आनंद ले सकते हैं। साथ ही आप यहां पर ट्रेकिंग का भी मजा ले सकते हैं। बता दें कि पहाड़ों की गोद में स्थित सापा कंट्रीसाइड से आपको कई बेहतरीन नजारे देखने को मिलेंगे और साथ ही आप यहां के कल्चर के बारे में ज्यादा जान सकेंगे।

क्यू ची सुरंगें

वियतनाम में युद्ध के दौरान हो ची मिन्ह सिटी में क्यू ची सुरंगें बनाई गई थीं। जिससे कि सैनिक आपस में आसानी से संपर्क कर सकें। ऐसे में आप इस टनल से वियतनाम के इतिहास की एक झलक देख सकते हैं। हांलाकि यहां घूमने के लिए आप गाइड की सहायता भी ले सकते हैं।

बा बा नेशनल पार्क

अगर आप वियतनाम में जंगल और तलाब का मजा एक साथ लेना चाहते हैं, तो बा बा नेशनल पार्क आपके लिए परफेक्ट है। यहां पर आप ट्रेकिंग और बोटिंग जैसी कई एक्टिविटीज में हिस्सा ले सकते हैं। इसके अलावा आपको यहां पर नाइट स्टे का आनंद भी लेना चाहिए।

गोल्डन ड्रैगन वॉटर पपेट थिएटर

आपको बता दें कि गोल्डन ड्रैगन वॉटर पपेट कोई आम पपेट शो नहीं है। इस थिएटर में आपको हजारों साल पुराने पपेट शो दिखाए जाते हैं, जोकि पानी में होते हैं। आप इस जगह पर म्यूजिक का आनंद भी ले सकते हैं। साथ ही अगर आप यहां की संस्कृति और कला को बेहद पास से जानना चाहते हैं, तो आपको इस जगह को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

संक्षिप्त

शिखर धवन और विराट कोहली को पीछे छोड़ने के करीब श्रेयस, इतने रन बनाते ही बना लेंगे ये रिकॉर्ड

राजकोट,एजेंसी। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। अगर श्रेयस ऐसा करने में सफल रहे तो वह विराट कोहली और शिखर धवन को पीछे छोड़ देंगे। श्रेयस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी और वडोदरा में खेले गए मैच में 47 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 49 रन बनाए थे। श्रेयस के वनडे में 68 पारियों में 47.83 के औसत से 2966 रन हैं जिसमें पांच शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। श्रेयस अगर 34 रन और बना लेते हैं तो वह वनडे में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बन जाएंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है जिन्होंने 72 पारियों में वनडे में 3000 रन पूरे किए थे, जबकि कोहली ने 75 पारियों में ऐसा किया था। अगर श्रेयस दूसरे वनडे मैच के दौरान वनडे में 3000 रन पूरे करने में सफल रहे तो वह ऐसा करने वाले दुनिया के चौथे सबसे तेज बल्लेबाज होंगे और इस मामले में विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर लेंगे। ओवरऑल ये रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला के नाम है जिन्होंने 57 वनडे पारियों में 3000 रन पूरे किए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान श्रेयस ने तीसरे विकेट के लिए विराट कोहली के साथ 77 रनों की साझेदारी की थी जिससे भारत 301 रन का पीछा करने में सफल रहा था। श्रेयस को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोट लगी थी जिस कारण वह मैदान से बाहर रहे थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलकर मैदान पर वापसी की थी। श्रेयस ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ टीम की कमान संभाली और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 53 गेंदों पर 82 रन बनाए। श्रेयस को इस दौरान बल्लेबाजी करते वक्त कोई दिक्कत नहीं हुई और उन्होंने अपनी फिटनेस साबित की। इस मैच के बाद श्रेयस को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस सर्टिफिकेट मिला और न्यूजीलैंड सीरीज में खेलने की मंजूरी मिल गई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब बुधवार को दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा जहां भारतीय टीम की नजरें सीरीज अपने नाम करने पर टिकी होंगी।

53 करोड़ से अधिक बैंक खाते और डिजिटल भुगतान में दुनिया का नेतृत्व, जानें जन-धन योजना ने कैसे बदला भारत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की महत्वाकांक्षी वित्तीय समावेशन मुहिम ने करोड़ों नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण आबादी के आर्थिक जीवन को मौलिक रूप से बदल दिया है। ग्लोबल इंक्लूसिव फाइनेंस समिट में बोलते हुए वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने 28 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के शुभारंभ को भारत के इतिहास के श्सबसे परिवर्तनकारी दिनों में से एकश बताया। नागराजू ने खुलासा किया कि इस योजना के माध्यम से अब तक 53 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इनमें से 72 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव लैंगिक समानता के मोर्चे पर देखा गया है, जहाँ अब 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के पास हैं, जिसने खाता स्वामित्व के मामले में महिला–पुरुष के अंतर को समाप्त कर दिया है। नागराजू के अनुसार, इससे ग्रामीण महिलाओं में

खुद को आर्थिक विकास में समान हितधारक समझने का आत्मविश्वास और सशक्तिकरण बढ़ा है। पीएमजेडीवाई खातों में जमा राशि 2.29 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई है, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल बनाती है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिसंबर 2024 में इसने 21 बिलियन से अधिक लेनदेन संसाधित किए, जो कार्ड लेनदेन की तुलना में 101 प्रतिशत अधिक है। डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए सरकार ने मुद्रा योजना के तहत अप्रैल 2015 से अब तक लगभग 38 लाख करोड़ रुपये के 56.32 करोड़ ऋण स्वीकृत किए हैं। इनमें से 67 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। सफलता के बावजूद, नागराजू ने कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें शुरुआती चरणों में खोले गए खातों के लिए केवाईसी (नो योर कस्टमर) विवरण को अपडेट करना, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों को मजबूत करना और साइबर सुरक्षा के उपायों को बेहतर बनाना शामिल है। सचिव ने आगामी समय के लिए तीन स्तंभों वाले दृष्टिकोण के बारे में बताया। ये हैं वित्तीय समावेशन के जरिए वित्तीय साक्षरता सुनिश्चित करना, जो अंततः ऋण पहुंच, जोखिम कवरेज और पेंशन जरिए वित्तीय सुरक्षा का माहौल बनाए। उन्होंने भरोसा जताया कि इन तत्वों के समावेश से देश अगली शताब्दी की ओर बढ़ने के लिए अधिक मजबूत और सुरक्षित बनेगा। एम. नागराजू ने मंगलवार को संकेत दिए कि भारत अब विशेष रूप से पूर्वी एशिया (ईस्ट एशिया) के देशों में यूपीआई की मौजूदगी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ग्लोबल इंक्लूसिव फाइनेंस इंडिया समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ किया कि यह कदम न केवल भारतीय पर्यटकों के लिए विदेशों में लेनदेन को आसान बनाएगा, बल्कि वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को भी मजबूत करेगा। आठ देशों में मौजूदगी और भविष्य का रोडमैप वर्तमान में, भारत का यूपीआई नेटवर्क दुनिया के आठ महत्वपूर्ण देशों– भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस में स्वीकार किया जा रहा है।

सुंदर की जगह आयुष बदोनी को शामिल करने पर क्यों छिड़ी बहस? 5 क्रिकेटर जो हो सकते थे बेहतर विकल्प

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले ऑलराउंडर आयुष बदोनी चर्चा में हैं। उन्हें चोटिल वॉशिंगटन सुंदर की जगह भारतीय वनडे स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, इस फैसले ने सोशल मीडिया पर बहस शुरू कर दी है। फैंस इसे पक्षपात भरा फैसला बता रहे हैं। उनका मानना है कि कुछ और खिलाड़ी इस जगह के दावेदार थे। फैंस का कहना है कि बदोनी का चयन कोच गौतम गंभीर की निजी पसंद का नतीजा है, क्योंकि वह भी दिल्ली से हैं। साथ ही गंभीर लखनऊ सुपर जाएंट्स के मेंटर भी रह चुके हैं। बदोनी एलएसजी से ही आईपीएल खेलते हैं।

फैंस का गुस्सा इसलिए भी बढ़ा है, क्योंकि लिस्ट–ए में बदोनी का आंकड़ा कुछ खास नहीं है। उन्होंने 27 लिस्ट–ए मैचों में 36.47 की औसत और 93.27 के स्ट्राइक रेट से 693 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, उनके नाम लिस्ट–ए में 18 विकेट हैं। मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में भी उनका फॉर्म कुछ खास नहीं रहा है। बदोनी ने विजय हजारे में अब तक 1, 12 और नाबाद तीन रन की पारियां खेली हैं। गेंद से भी उन्होंने चार विकेट चटकाए हैं।

हालांकि, बदोनी का आईपीएल और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में आंकड़े शानदार हैं। 21 फर्स्ट क्लास मैचों में बदोनी ने 57.96 की बेहतरीन औसत से 1681 रन बनाए हैं। इनमें चार शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने रणजी में दिल्ली टीम की कप्तानी भी की थी। इसके अलावा वह फर्स्ट क्लास में 22 विकेट भी ले चुके हैं। वहीं, आईपीएल में अब तक बदोनी ने 56 मैचों में 26.75 की औसत और 138.56 के स्ट्राइक रेट से 963 रन बनाए हैं और साथ ही चार विकेट भी झटके हैं। इनमें छह अर्धशतक शामिल हैं। आईपीएल 2025 में बदोनी ने 14 मैचों में 32.90 की औसत और 148.19 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए थे और दो विकेट भी झटके थे।

क्रुणाल का लिस्ट ए रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने 98 मैचों में 38.47 की औसत से 3001 रन बनाए हैं। इनमें तीन शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, उन्होंने 118 विकेट भी झटके हैं। मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में क्रुणाल ने बड़ौदा की कप्तानी करते हुए सात पारियों में एक शतक और दो अर्धशतक की बदौलत 321 रन बनाए हैं। साथ ही छह विकेट भी झटके हैं। वहीं, रियान पराग तो वनडे टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं। हालांकि, वह टीम से ऐसे गायब हुए कि उनका कुछ अता पता भी नहीं है। न ही टी20 टीम में वह वापसी कर पाए हैं। पराग ने लिस्ट–ए में 55 मैचों में 41.42 की औसत से 1947 रन बनाए। इनमें पांच शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा 54 विकेट भी लिए हैं। रियान विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं खेले।

बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे भी सूची में हैं। उन्होंने लिस्ट–ए में 27 मैचों में 27 विकेट झटके हैं। साथ ही 29.88 की औसत से 269 रन भी बना चुके हैं। मौजूदा विजय हजारे में उन्होंने छह विकेट जरूर लिए, लेकिन बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए हैं।

अनुकूल रॉय का भी नाम सामने आया है। वह लिस्ट–ए में 61 मैचों में 32.79 की औसत से 1279 रन बना चुके हैं। इनमें आठ अर्धशतक शामिल हैं। साथ ही 59 विकेट भी चुके हैं। मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में अनुकूल ने छह पारियों में 245 रन बनाए और इनमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा चार विकेट भी झटके।

शाहबाज अहमद का भी नाम चर्चा में है। उनका लिस्ट–ए रिकॉर्ड भी शानदार है। शाहबाज ने 57 लिस्ट ए मैचों में 48.68 की औसत से 1412 रन बनाए हैं। इनमें चार शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 68 विकेट भी लिए हैं। मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में शाहबाज ने छह पारियों में 390 रन बना डाले। इनमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा शाहबाज ने छह विकेट भी झटके। बदोनी दाएं हाथ से बल्लेबाजी के अलावा राइट आर्म ऑफ ब्रेक गेंदबाज हैं। सुंदर भी ऑफ स्पिन करते हैं। भारत के पास पहले से ही रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के रूप में दो बाएं हाथ के स्पिनर हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने बदोनी को सही विकल्प समझा। हालांकि, पराग भी ऑफ ब्रेक गेंदबाजी कर सकते थे, जबकि ऊपर विकल्पों में बाकी स्पिनर बाएं हाथ के हैं।बदोनी को चुनने के पीछे यह वजह हो सकती है।

हालांकि, न तो टीम मैनेजमेंट, न ही कोच और न ही कप्तान की ओर से कोई बयान आया है। गंभीर ने बदोनी को लखनऊ सुपर जाएंट्स में करीब से देखा है। माना जा रहा है कि वहीं उन्होंने बदोनी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की काबिलियत देखी, लेकिन फैंस का आरोप है कि गंभीर अपने पुराने घरेलू या आईपीएल टीम से जुड़े खिलाड़ियों को तरजीह दे रहे हैं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर बायस सिलेक्शन (ठपें मसमबजपवद) ट्रेंड करने लगा और इसको लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि आयुष बदोनी को दूसरे वनडे में मौका मिलता है या नहीं, और अगर मिलता है तो क्या वह अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब दे पाते हैं या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा।

दूसरे वनडे में भी Ro-Ko पर होंगी नजरें

राजकोट,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे वनडे मैच में भी रोहित शर्मा और विराट कोहली पर नजरें रहेंगी। कोहली ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और अब रोहित भी बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। भारत के पास इस मैच को जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त लेने का मौका रहेगा और आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम इस अवसर का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने भारत की कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों को लेकर बढ़ती चिंताओं को कुछ हद तक कम कर दिया है। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। वाशिंगटन सुंदर उस मैच में चोटिल हो गए थे और वह वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने वाशिंगटन की जगह आयुष बदोनी को टीम में लिया है, जबकि ऋषभ पंत की जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो टीम प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में एक और विकल्प हो सकते हैं। भारतीय टीम के पास कई विकल्प हैं लेकिन अगले महीने से शुरू होने वाले टीम टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेगी। टी20 टीम में वनडे टीम से बिल्कुल अलग बल्लेबाजी क्रम होगा। लेकिन कुछ नाम दोनों टीमों में समान हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण नाम ऑलराउंडर तिलक वर्मा का है जो ग्रोइन की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ कम से कम पहले तीन टी20 मैचों में नहीं खेल पाएंगे। कोहली इस समय अलग ही तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं और वह आत्मविश्वास से भरे हुए नजर आते हैं। ऐसा लगता है कि वह अपेक्षाओं और आलोचनाओं के बोझ से पूरी तरह मुक्त हैं। कोहली ने शुरुआत से ही न तो आक्रामक बल्लेबाजी करने से परहेज की है और न ही रन बनाने का कोई मौका छोड़ा है।

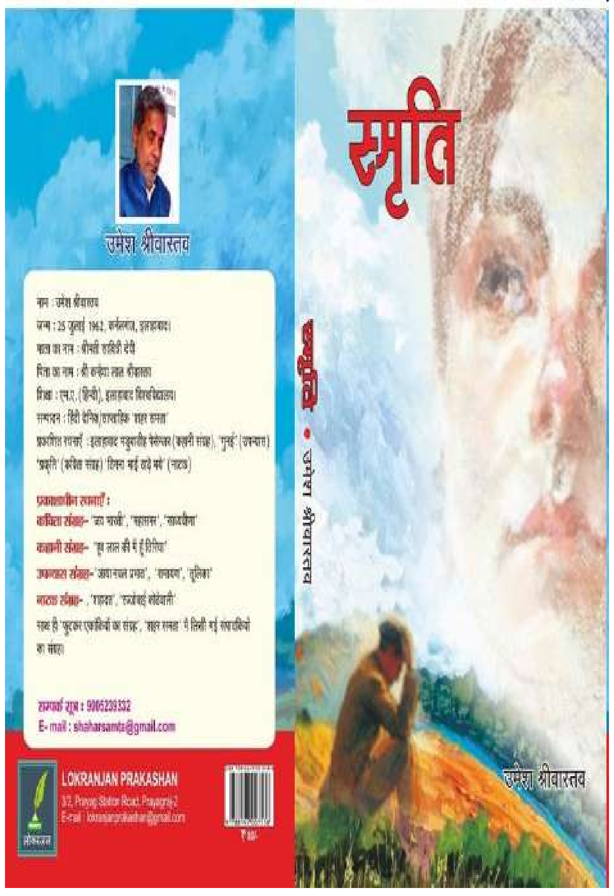

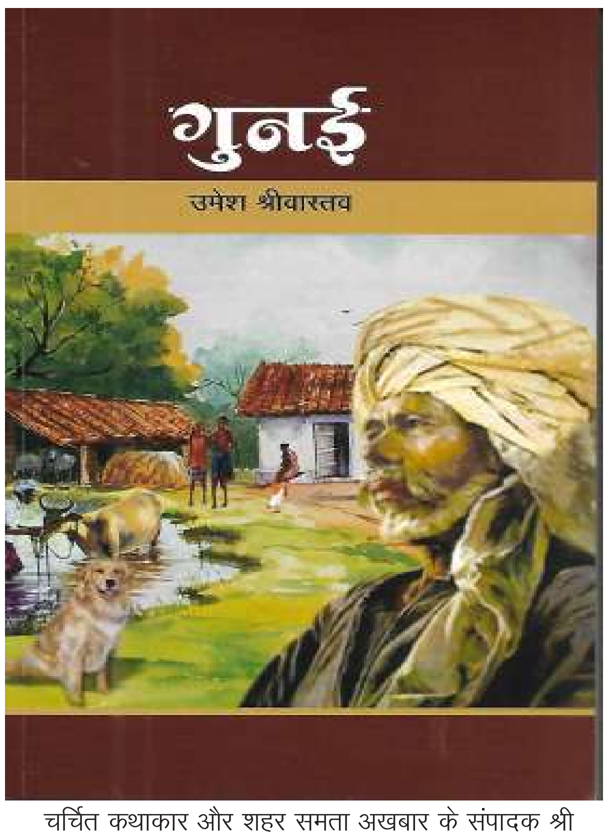

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

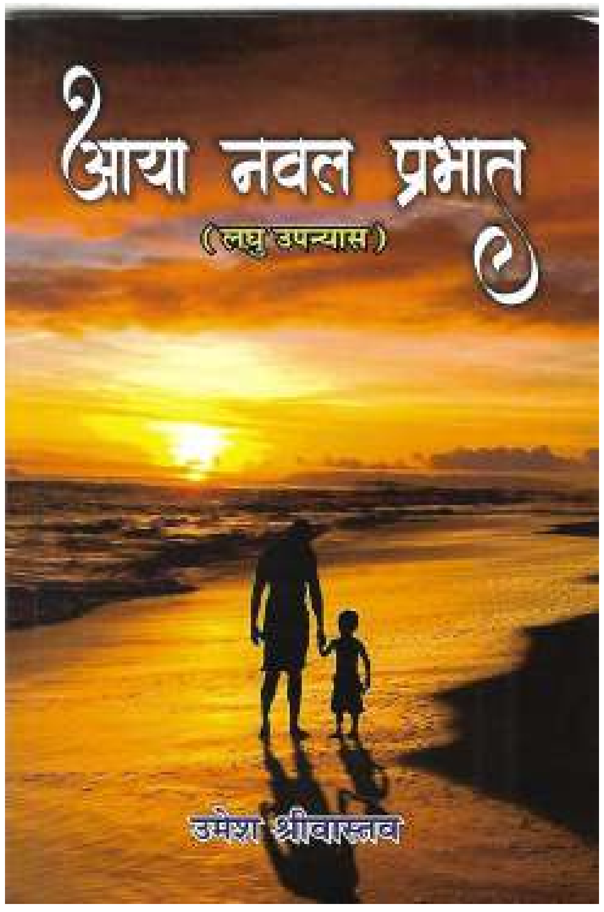

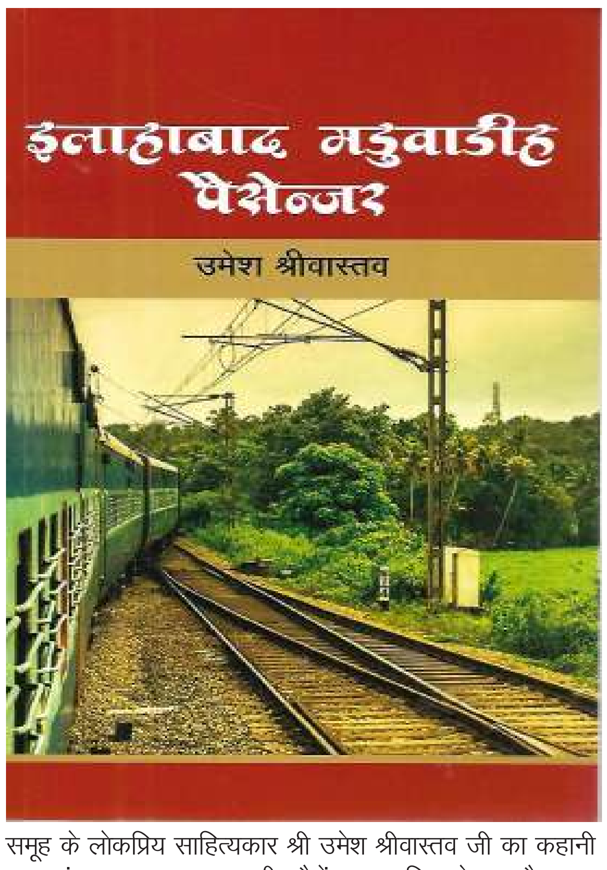

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

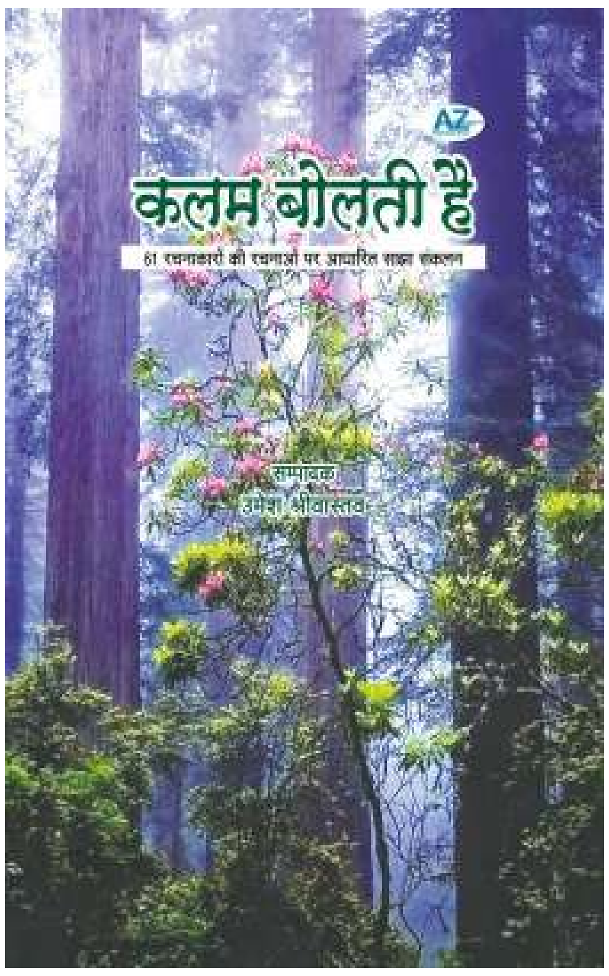

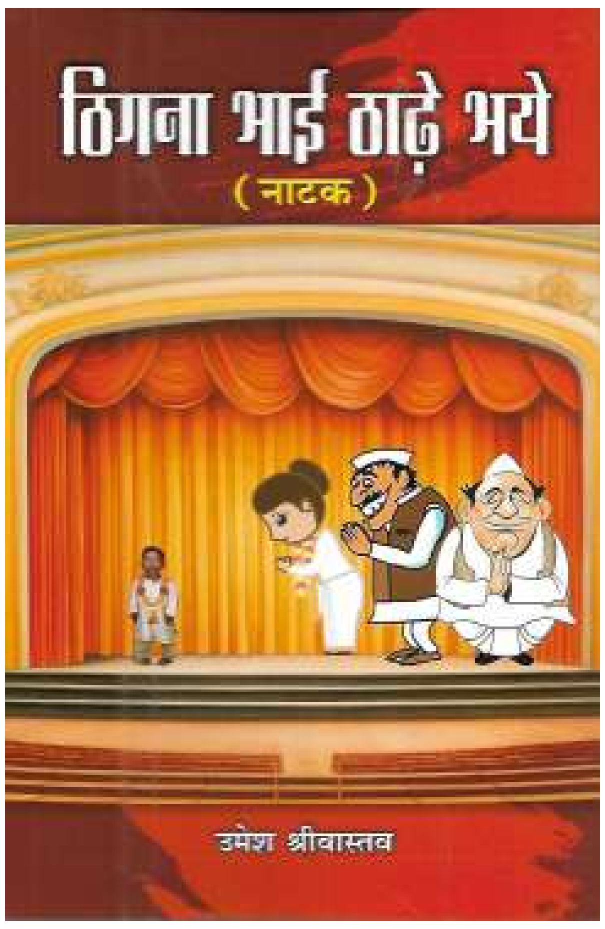

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान ने अंतरराष्ट्रीय कॉल्स पर लगा प्रतिबंध हटाया लेकिन इंटरनेट बैन जारी, मीडिया रिपोर्ट्स में बड़ा दावा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं, लेकिन ईरानी सरकार ने इस बीच एक अप्रत्याशित कदम उठाया है और अंतरराष्ट्रीय कॉल्स पर लगा प्रतिबंध हटा दिया

है। हालांकि इंटरनेट पर अभी भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स ने ये दावा किया है। एपी की रिपोर्ट्स के अनुसार, मंगलवार को उनके विभिन्न कार्यालयों को ईरान से फोन आए। बताया गया कि ईरान के लोगों ने एपी के दुबई ब्यूरो को कॉल कर हालात की जानकारी दी। इससे पहले ईरान के लोग ऐसा नहीं कर पा रहे थे। हालांकि इंटरनेट द्वारा ईरान का अभी भी दुनिया से संपर्क कटा हुआ है। ईरान की सरकार का फैसला चौंकाने वाला ईरान का यह फैसला बेहद चौंकाने वाला है क्योंकि अभी भी ईरान में विरोध प्रदर्शन चरम पर हैं। 28 दिसंबर को शुरू हुए इन विरोध प्रदर्शन में अभी तक 600 से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (भ्त।छ।) के मुताबिक पूरे देश में फैले इस आंदोलन में कम से कम 646 लोगों की जान जा चुकी है और इस संख्या के और बढ़ने की आशंका है।

ड्रोन से सावधान रहें, ईरान में तनाव के बीच अमेरिकी सांसद की खामेनेई को धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान में भारी तनाव जारी है। ईरानी शासन के खिलाफ राजधानी तेहरान सहित देशभर में उग्र

विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी बीच एक बार फिर अमेरिकी सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को धमकी दी है। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि ट्रंप खामेनेई को मार डालेंगे। वहीं अब उन्होंने खामेनेई को ड्रोन की धमकी दे डाली।

ईरान में सत्ता विरोधी आंदोलन में अब तक 646 लोगों की मौत, कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन जारी

तेहरान,एजेंसी। ईरान अशांत है। पूरे देश में खामेनेई सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन जारी है। सत्ता विरोधी इस प्रदर्शन को कुचलने की सरकार की ओर से पूरी कोशिश की जा रही है, लेकिन जनता सड़कों पर लगातार सुप्रीम नेता खामेनेई के खिलाफ नारेबाजी कर रही है। 28 दिसंबर से शुरू हुआ आंदोलन 7 जनवरी के बाद बड़ा रूप ले चुका है। जिसमें अब तक 600 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर सामने आई है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (भ्त।छ।) के मुताबिक पूरे देश में फैले इस आंदोलन में कम से कम 646 लोगों की जान जा चुकी है और इस संख्या के और बढ़ने की आशंका है। वहीं बता दें कि यह एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी कई वर्षों से हो रहे प्रदर्शनों के दौरान सही जानकारी देती रही है। यह ईरान के अंदर एक्टिविस्ट्स के एक नेटवर्क पर निर्भर करती है, जो सभी रिपोर्ट की गई मौतों की पुष्टि करता है। बता दें कि 28 दिसंबर को खराब अर्थव्यवस्था, बढ़ती महंगाई और गिरती मुद्रा की कीमत के बाद व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा और सड़कों पर आकर विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया, जिसके बाद यह आंदोलन बढ़ता चला गया। इस विरोध प्रदर्शन में फिर यूनिवर्सिटी के छात्र शामिल हो गए, जिसके बाद देखते ही देखते यह सभी वर्गों में फैल गया और सुप्रीम नेता खामेनेई के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई।

ग्लादेश में एक और हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या, 25 दिन में आठवीं हत्या की वारदात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। फेंगुआ के दागनभुआ में समीर दास (28) को पीट–पीटकर मार डाला गया। आरोपी उसका ऑटो लूटकर फरार हो गए। पुलिस हत्यारों की तलाश कर रही है। पिछले 25 दिन में बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या का यह आठवीं वारदात है। पुलिस के मुताबिक, समीर दागनभुआ के मातुभुइया संघ के रामानंदपुर गांव का रहने वाला था और लंबे समय से बैटरी ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का भरण–पोषण कर रहा था। परिजनों ने बताया कि रविवार रात जब समीर समय पर घर नहीं लौटा, तो परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में पुलिस को सूचित किया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

बांग्लादेश के बाद अब ये देश PAK से खरीदेगा 'कबाड़' जेट , 40 लड़ाकू विमान की डील! शाहपर ड्रोन भी शामिल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अशांति से जूझ रहे बांग्लादेश के बाद अब इंडोनेशिया ने भी पाकिस्तान के फाइटर विमान श्रथ–17 थंडर जेट को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। जेएफ–17 थंडर जेट एक मल्टी–रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है, जिसे चीन और पाकिस्तान ने मिलकर बनाया है। मई 2025 में भारत से साथ हुए संघर्ष के बाद पाकिस्तान अपने लड़ाकू विमान का झूठा प्रचार करके इसे अन्य देशों को बेचने के लिए हाथ पैर मार रहा है। अब इस कड़ी में बांग्लादेश के बाद इंडोनेशिया भी इस लिस्ट में शामिल हो सकता है। दरअसल, पाकिस्तान और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग पर चर्चा की। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजाफ्री सजामसोएद्दीन पाकिस्तान के दौरे पर हैं। जहां सोमवार (12 जनवरी) को पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर और वायुसेना प्रमुख जहीर सिद्धू से मुलाकात की है। पाकिस्तानी सेना के एक बयान के अनुसार बैठक में आपसी हित के मामलों, बदलते क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा हालात और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। इसी के साथ दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और इंडोनेशिया के बीच संस्थागत संबंधों को मजबूत करने, ट्रेनिंग में सहयोग और रक्षा औद्योगिक सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया। इंडोनेशियाई रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान सेना के जवानों की तारीफ की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके बलिदानों को स्वीकार किया। उन्होंने कई क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ रक्षा संबंधों को और बढ़ाने की इंडोनेशिया की इच्छा भी व्यक्त की। इसी के साथ पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख ने इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल को पाकिस्तानी एयर फोर्स के आधुनिकीकरण अभियान के बारे में जानकारी दी, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, बेहतर प्रशिक्षण और बहु–स्तरीय अभियान के लिए तैयारी बढ़ाने के लिए खास क्षमताओं के बारे में बताया। जहां इंडोनेशियाई रक्षा मंत्री ने विमानन और एयरोस्पेस क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। 40 JF–17 थंडर खरीदने की चर्चा, शाहपर ड्रोन में भी रूचि वहीं दोनों देशों के रक्षा सहयोग पर पाकिस्तान के एक प्रमुख उर्दू अखबार द जंग के मुताबिक इंडोनेशियाई रक्षा मंत्री ने एयर चीफ के साथ अपनी बैठक में 40 JF–17 थंडर खरीदने के रक्षा समझौते पर भी चर्चा की। इसी के साथ पाकिस्तानी शाहपर ड्रोन में भी रूचि दिखाई। बता दें कि पहले से ही लीबिया, सूडान और सऊदी अरब जैसे देशों ने पाकिस्तान द्वारा निर्मित श्रथ–17 थंडर खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इस लिस्ट में म्यांमार पहले से ही शामिल है, जबकि हालिया चर्चा में अब बांग्लादेश और इंडोनेशिया भी जुड़ गए हैं। चीन की मदद से पाकिस्तान में निर्मित जेएफ–17 लड़ाकू विमानों को पाकिस्तान वायुसेना के 14 स्क्वाड्रन में शामिल किया गया है। ये पाक वायुसेना का सबसे अहम लड़ाकू विमान है। पाक वायुसेना के पास इस श्रेणी के 70 से ज्यादा लड़ाकू विमान हैं। पाकिस्तान का दावा है कि जेएफ–17 लड़ाकू विमान दुनिया के किसी भी देश के चौथी पीढ़ी के विमानों के समान सक्षम है। इनमें हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने की क्षमता है। दरअसल, बीते एक दशक से पाकिस्तानी वायुसेना में तैनात इस फाइटर जेट का पाकिस्तान की ओर से जमकर प्रचार किया गया है। हालांकि सच्चाई सबके सामने है कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और चीन के हथियारों की असलियत दुनिया के सामने आई थी। इतना ही नहीं यह फाइटर जेट खरीदने वाला म्यांमार भी परेशान हैं, जहां जेएफ–17 फुस्स हो चुके हैं। म्यांमार सेना की तरफ से लगातार विमान में तकनीकि खराबियों को लेकर शिकायतें सामने आती रहती है।

ईरान में महिलाओं की स्वतंत्रता पर संकट, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला युसुफजई ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला युसुफजई ने मंगलवार को ईरान में महिलाओं की घटती स्वतंत्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ईरान में महिलाओं को लंबे समय से सार्वजनिक जीवन के लगभग हर पहलू से बाहर रखा गया है और ये पाबंदियां सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मलाला ने लिखा कि ईरान में जारी विरोध–प्रदर्शन दशकों से चली आ रही राज्य–प्रायोजित पाबंदियों से अलग नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा कि शिक्षा सहित सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की स्वायत्तता सीमित की गई है और ईरानी लड़कियां भी दुनिया भर की लड़कियों की तरह सम्मान और गरिमा से भरा जीवन चाहती हैं। मलाला ने कहा कि ईरान के लोग वर्षों से इस दमन के खिलाफ चेतावनी देते आ रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज को खामोश किया गया। उन्होंने इसे अलगाव, निगरानी और सजा पर आधारित एक व्यापक व्यवस्था का हिस्सा बताया, जो कक्षा से बाहर भी महिलाओं की स्वतंत्रता, पसंद और सुरक्षा को सीमित करती है। उन्होंने जोर दिया कि ईरानी महिलाओं को अपने राजनीतिक भविष्य का फैसला स्वयं करने का अधिकार है और यह प्रक्रिया किसी बाहरी ताकत के हस्तक्षेप से मुक्त होनी चाहिए। इस बीच, ईरानी पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद ने विरोध–प्रदर्शनों पर कथित सरकारी कार्रवाई को उजागर किया। उन्होंने कहा कि हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं, इसके बावजूद ईरान के अलग–अलग शहरों में लोग सड़कों पर उतरकर तानाशाही के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। यही असली बहादुरी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के कई प्रांतों में बड़े प्रदर्शन हुए। इनमें अजरबैजान प्रांत और केंद्रीय शहर अराक शामिल हैं, जहां लोग झंडे लहराते और नारे लगाते दिखे। सरकारी चौनल प्रेस टीवी ने भी प्रदर्शनों की पुष्टि की है। ये विरोध प्रदर्शन बढ़ती महंगाई, आर्थिक संकट और शासन को लेकर जनता के गुस्से के बीच हो रहे हैं। मानवाधिकार संगठन के अनुसार, अब तक कम से कम 544 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10,681 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात पर नजर रखी जा रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से निपटने के लिए सभी विकल्प खुले रखे हुए हैं, जिनमें सैन्य कार्रवाई भी शामिल है, हालांकि उनकी प्राथमिकता कूटनीति बनी हुई है।

ईरान में कितना बड़ा हुआ आंदोलन?: जानें कैसे हिंसक हुए प्रदर्शन, खामनेई के खिलाफ कौनय अब आगे क्या

ईरान, एजेंसी। ईरान में दो हफ्ते पहले शुरू हुआ सरकार विरोधी आंदोलन अब विशाल रूप ले चुका है। आर्थिक संकट और बढ़ती महंगाई के असर के चलते शुरू हुए विरोध प्रदर्शन देखते ही देखते ईरान के सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं। स्थिति यह है कि तेहरान में व्यापारियों का गढ़ कहे जाने वाला ग्रैंड बाजार इन प्रदर्शनों का केंद्र बना हुआ है और आर्थिक संकट के खिलाफ उठी आवाज अब सत्ता परिवर्तन की आवाज में बदल चुकी है। इस आंदोलन में अब तक 646 लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है, जबकि 10 हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने की बात सामने आ रही है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिका 25 फीसदी का आयात शुल्क जुर्माने के तौर पर लगाएगा। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद चीन, रूस के साथ भारत के लिए भी चिंता की स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि भारत चाबहार बंदरगाह पर सहयोग को लेकर लगातार ईरान के साथ संपर्क में है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ईरान में जो प्रदर्शनों का दौर जारी है, उसकी शुरुआत कहां से हुई और इसकी वजह क्या थी? दो हफ्ते में ईरान में ऐसा क्या–क्या हुआ है, जिससे प्रदर्शनों में सत्ता परिवर्तन की मांग उठने लगी है? इस आंदोलन के पीछे का चेहरा कौन है? यह प्रदर्शन कितने बड़े स्तर पर हैं? ईरान सरकार ने इनसे निपटने के लिए क्या किया है? इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या प्रतिक्रिया रही है? अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के आंदोलनों को लेकर क्या तैयारी कर रहे हैं? आइये जानते हैं... ईरान में हालिया प्रदर्शनों की शुरुआत के दिसंबर 2025 के अंत में (मुख्य रूप से 28 दिसंबर से) हुई। इन विरोधा प्रदर्शनों का मुख्य केंद्र तेहरान का ग्रैंड बाजार था। जहां दुकानदारों और व्यापारियों (बाजारी वर्ग) ने देश की गिरती अर्थव्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

1. पहले मुद्रा गिरी

प्रदर्शन शुरू होने की सबसे बड़ी वजह ईरानी मुद्रा– ईरानी रियाल की कीमत में भारी गिरावट रही, जो कि कुछ ही महीनों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14.6 लाख के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गई। इसके चलते ईरान में महंगाई (मुद्रास्फीति) 52: से अधिक हो गई और आम ईरानियों की श्खरीद क्षमताश में भारी कमी आई।

2. फिर सरकार की किरकिरी

जनवरी 2026 की शुरुआत में सरकार ने विदेशी मुद्रा दर को स्थिर करने की कोशिशें शुरू कर दीं। इसके लिए ईरान के सेंट्रल बैंक ने जरूरी वस्तुओं के आयात पर दी जाने वाली सब्सिडी को खत्म करने का एलान कर दिया। इससे जनता में असंतोष और बढ़ गया। इसके बाद हजारों की संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन शुरू किया। इन प्रदर्शनों का केंद्र बना ईरान का ग्रैंड बाजार, जो कि व्यापारियों का गढ़ है। यहां बड़ी संख्या में व्यापारियों ने आर्थिक हालात को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू किए। आर्थिक हालात के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शन, सत्ता–परिवर्तन की मांग तक कैसे पहुंचे? ईरान में प्रदर्शनों का जो सिलसिला दिसंबर 2025 के अंत से शुरू हुआ वह देखते ही देखते अब ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई के विरोधा और सत्ता–परिवर्तन की मांग तक जा पहुंचा है। यह लगातार दिन–प्रतिदिन बढ़े हैं..

ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे की तैयारी तेज, यूएस कांग्रेस में अहम बिल पेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जे की खुली धमकी दे चुके हैं। आए दिन अमेरिकी सरकार की तरफ से ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात की जा रही है। अब ऐसा लग रहा है कि अमेरिका ने अपनी योजना को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया है। दरअसल अमेरिकी संसद में एक अहम बिल पेश किया गया है, जिसमें ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे और उसे अमेरिकी राज्य का दर्जा देने की मांग की गई है। अमेरिका के निचले सदन के सांसद रैंडी फाइन ने यह विधेयक पेश किया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में फाइन ने बताया कि उन्होंने आर्कटिक द्वीप ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे और उसे राज्य बनाने संबंधी विधेयक पेश किया। यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसे लेकर सभी जरूरी कदम उठाने के लिए अधिकृत करेगा। क्या है इस विधेयक में? अमेरिकी सांसद रैंडी फाइन ने कहा कि अमेरिका के विरोधी आर्कटिक महासागर में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं और ग्रीनलैंड को हासिल कर प्रतिद्वंदी शक्तियों को इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने से रोका जा सकेगा। विधेयक में ग्रीनलैंड को अमेरिकी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी बताया गया है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा संपत्ति बताया। विधेयक में चेतावनी दी गई है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा प्रमुख आर्कटिक शिपिंग मार्गों की सुरक्षा, अमेरिका की रक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। विधेयक में कहा गया है कि वर्षों की अमेरिका की कमजोर नीतियों के चलते आर्कटिक महासागर मेंअमेरिका की रणनीतिक स्थिति कमजोर हो गई है, जबकि चीन और रूस ने लगातार अपनी मौजूदगी का विस्तार किया है। यह विधेयक अमेरिका को डेनमार्क से ग्रीनलैंड को लेकर बातचीत करने का अधिकार भी देता है। डेनमार्क की नाराजगी के बावजूद ग्रीनलैंड पर कब्जे पर अड़े ट्रंप ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है और फिलहाल यह डेनमार्क का स्वशासित क्षेत्र है। डेनमार्क नाटो का सदस्य और अमेरिका का सहयोगी देश है। यही वजह है कि अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात के बाद से डेनमार्क नाराज है और उसने धमकी दी है कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कब्जा किया तो नाटो टूट सकता है। हालांकि डेनमार्क की नाराजगी के बावजूद ट्रंप, ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात पर अड़े हैं, उनका कहना है कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्जा नहीं करेगा तो फिर रूस और चीन इस पर कब्जा कर सकते हैं और अमेरिका ऐसा नहीं होने देना चाहता।

US: अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिज संबंधी बैठक में शामिल हुए अश्विनी वैष्णव, बताया किन मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव इन दिनों अमेरिका में है, जहां उन्होंने वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की ओर से आयोजित एक अहम बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक क्रिटिकल मिनरल्स संबंधी एक महत्वपूर्ण मीटिंग थी। मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि किन–किन मुद्दों पर चर्चा की गई। वाशिंगटन में आयोजित इस बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों पर चर्चा करने के लिए जी–7 देशों के वित्त मंत्री शामिल हुए। बैठक की जानकारी देते हुए मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कुछ देशों के मंत्रियों को महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को कैसे लचीला बनाएं, कैसे अच्छी गुणवत्ता के खनिज सबको मिले उस पर एक बैठक बुलाई थी। कई देशों ने अपने अनुभवों को साझा किया। आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने के लिए वे लोग क्या कदम उठा रहे हैं और प्रकृति के नजरिए से महत्वपूर्ण खनिजों को रीसायकल करके ज्यादा इस्तेमाल में लिया जा सके, गुणवत्ता पर कैसे फोकस हो सहित कई विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि बैठक सकारात्मक रही। अपने बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में विनिर्माण क्षेत्र विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है, तो भारत सहित सभी देशों के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का होना बहुत जरूरी है। इस बैठक में विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों, विशेष रूप से खनिज अयस्कों के शोधन और प्रसंस्करण की तकनीक पर चर्चा की, ताकि उच्च गुणवत्ता वाले महत्वपूर्ण खनिज, विशेष रूप से दुर्लभ पृथ्वी धातुएं और स्थायी चुंबक, दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ तरीके से सुरक्षित किए जा सकें। अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि नए परियोजनाओं के वित्तपोषण पर चर्चा हुई।

विभिन्न देशों के बीच प्रौद्योगिकी साझाकरण पर चर्चा हुई। पुनर्चक्रण पर बहुत महत्वपूर्ण चर्चा हुई क्योंकि यह अपशिष्ट उत्पादों से खनिजों का दोहन करने का एक अच्छा तरीका है। विभिन्न देशों के बीच अनुसंधान कार्य साझा करने पर चर्चा और समझौते हुए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।